epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 25 गोवंश बचाए, तस्करी में इस्तेमाल ट्रक जब्त

5 जय शाह ने पाकिस्तान बांग्लादेश ड्रामे पर तोड़ी चुप्पी, दोनों टीमों को दिखाया आइना

8 विभिन्न स्तरों पर जल संरक्षण

मौसम जम्मू — न्यूनतम 17 — अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-65 | जम्मू तवी, सोमवार 16 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल सिन्हा ने श्रीनगर में आतंकवाद पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

जम्मू, 15 मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को आतंकवाद पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपने को शरणस्थली (समर्थन) का एक रूप बताते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को रोजगार के अवसरों के माध्यम से अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने में मदद करना है। एलजी सिन्हा ने यहां लोक भवन सभागार में अनुकंपा नियुक्ति नियमों के तहत 50 आतंकी पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मैं आतंक पीड़ितों और उनके परिवारों को शरणस्थली प्रदान कर रहा हूं। कई परिवार लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। रोजगार प्रदान करके, हम आशा की एक नई किरण ला रहे हैं और उन्हें अपने जीवन के पुनर्निर्माण का अवसर प्रदान कर रहे हैं। एलजी ने एक ईद संदेश साझा किया, जिसमें नियुक्ति पत्र को एक विशेष ईद उपहार बताया गया। उन्होंने कहा कि सभी परिवारों को ईद मुबारक। ये पत्र न्याय, मान्यता और एक नई शुरुआत का प्रतीक हैं। साथ मिलकर, हमें अपने युवाओं का पोषण करना चाहिए, सम्मान सुनिश्चित करना चाहिए और उज्ज्वल भविष्य के लिए जम्मू-कश्मीर का पुनर्निर्माण करना चाहिए। सरकार के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, एलजी सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद पीड़ितों के 400 से अधिक परिवारों को पहले ही नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं। ये वास्तविक नियुक्तियां हैं और यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो उन्हें तुरंत संबोधित किया जाएगा। कई अन्य लोग इस प्रक्रिया में लगे हुए हैं और हम एसएसपी और प्रशासन के बीच समन्वय के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्याय केवल कागज पर लिखे शब्द नहीं हैं यह एक रोशनी है जो दिलों में अंधेरा दूर करती है और आशा की एक नई किरण लाती है। जिन परिवारों को लंबे समय से सरकारी सहायता का इंतजार था उन्हें आखिरकार प्रशासन ने पहचाना और अपनाया है।卐 एलजी सिन्हा ने परिवारों के अपार दर्द को स्वीकार करते हुए कहा कि मैं उस पीड़ा को समझता हूं जो आपने सम्मान और साहस के साथ सहन की है। 1990 के दशक से, आतंकवाद ने हजारों परिवारों से सपने और स्थिरता छीन ली है। जम्मू और कश्मीर प्रशासन उनके जीवन के पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। एलजी सिन्हा ने कहा कि मैंने कई आतंक पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है और उनका पुनर्मिलन सुनिश्चित किया है। यह न्याय का मामला है, दान का नहीं। आज का कार्यक्रम उस न्याय का प्रमाण है। प्रशासन और पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि नुकसान पहुंचाने वालों को सख्त परिणाम भुगतने पड़ें।

मौसम विभाग के अनुसार बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना

श्रीनगर, 15 मार्च। जम्मू-कश्मीर में मौसम ने अपना मिजाज बदल लिया है। तेज पड़ रही गर्मी के बाद अब एक बार फिर से सर्दी का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने बताया है कि 15 से 20 मार्च के बीच जम्मू और कश्मीर में एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की उम्मीद है जिससे पूरे क्षेत्र में कुछ समय के लिए फिर से सर्दियों जैसा मौसम लौट आएगा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले ये मौसमी सिस्टम मैदानी इलाकों में बारिश ला सकते हैं जबकि इस दौरान ऊंचे पहाड़ी इलाकों में ताज़ा बर्फबारी हो सकती है। 15 से 20 मार्च के बीच जम्मू और कश्मीर में एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की उम्मीद है, जिससे कुछ समय के लिए फिर से सर्दियों जैसा मौसम लौट आएगा। बारिश का पहला दौर 15-16 मार्च के आसपास होने की संभावना है जबकि एक और मौसमी सिस्टम 18 से 20 मार्च के बीच इस क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, 卐मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना है जबकि 15-16 मार्च और 18-20 मार्च के आसपास ऊंचे पहाड़ी इलाकों में ताज़ा बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि बारिश और बादलों के छाए रहने से जम्मू और कश्मीर के कई हिस्सों में दिन के तापमान में काफी गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग ने आगे कहा कि इन मौसमी सिस्टम का असर इस दौरान आसमान में बादलों के छाए रहने और रुक-रुक कर होने वाली बारिश के रूप में भी महसूस किया जा सकता है।

उड़ी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

जम्मू, 15 मार्च। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 卐घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

मुख्य सचिव ने प्रमुख भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण पहलों की समीक्षा की

जम्मू, 15 मार्च। मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम , ग्राम क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ ग्राम सर्वेक्षण और मानचित्रण , विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या और शहरी बस्तियों के राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण (नाक्ष) पर एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य सचिव ने इन भूमि डिजिटलीकरण पहलों की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया और भारत की कुछ सबसे सफल डिजिटल क्रांतियों के साथ इनकी तुलना की।

ये पहलें यूपीआई और एग्रीस्टैक जैसे अन्य महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों की सफलता की तरह ही शासन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी। हम एक तकनीकी क्रांति देख रहे हैं और जम्मू-कश्मीर को इसमें सक्रिय और अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए, उन्होंने कहा।

चल रहे डिजिटलीकरण अभियान के प्रत्यक्ष जन लाभ पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में जन शिकायतें भूमि संबंधी मुद्दों से जुड़ी हैं और डिजिटलीकरण प्रक्रिया पूरी होने पर इनका समाधान हो जाएगा। यह जनता के लिए एक बड़ी सेवा है। इससे जनता को अपार सुविधा मिलेगी और विकास एवं शासन के नए द्वार खुलेंगे, मुख्य सचिव ने कहा।

इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्तीय आयुक्त, राजस्व) शालीन काबरा ने भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला और इसे पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने जोर दिया कि इस पहल से भूमि अभिलेखों की सुलभता, सटीकता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा जिससे विवाद कम होंगे और राजस्व प्रशासन में जनता का विश्वास बढ़ेगा।

उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया के हर चरण में कठोर गुणवत्ता जांच की आवश्यकता पर बल दिया कि डिजिटाइज्ड रिकॉर्ड त्रुटि रहित और प्रामाणिक रहें। उन्होंने संबंधित राजस्व अधिकारियों से उचित सतर्कता और जवाबदेही बरतने का आह्वान किया ताकि डिजिटाइजेशन प्रक्रिया से एक मजबूत, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली का निर्माण हो सके।

पीर की गली में ताजा बर्फबारी के बाद मुगल रोड बंद

श्रीनगर, 15 मार्च । पीर की गली में ताजा बर्फबारी और बारिश के बाद ऐतिहासिक मुगल रोड को सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण कश्मीर फारूक कैसर ने कहा कि पीर की गली में ताजा बर्फबारी और मार्ग पर खराब मौसम की स्थिति के कारण एहतियात के तौर पर सड़क बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को अगली सूचना तक मुगल रोड पर यात्रा करने से परहेज करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि 卐सड़क को सुरक्षित घोषित किए जाने और यातायात के लिए फिर से खोले जाने के बाद इसकी स्थिति के बारे में सूचित किया जाएगा।

पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा, 6 राज्यों में 8 सीटों पर उपचुनाव भी, नतीजे 4 मई को

नई दिल्ली, 15 मार्च । चुनाव आयोग ने रविवार को पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है। पुडुचेरी, केरल और असम में 09 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल और पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। सभी के नतीजे 0 4 मई को आयेंगे।

असम, पुडुचेरी और केरल की सभी 126, 30 और 140 सीटों पर 16 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को की जाएगी। उम्मीदवार 26 मार्च तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 सीटो पर 30 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 07 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 09 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटो पर 02 अप्रैल अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 09 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 10 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 13 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

इसके अलावा आयोग ने आज गोवा की पोंडा, गुजरात की उमरेठ, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ, महाराष्ट्र की राहुरी और बारामती, नगालैंड की कोरिडांग (एसटी) तथा त्रिपुरा की धर्मनगर पर उपचुनाव की घोषणा की है। इन सभी सीटों पर संबंधित विधायकों के निधन के कारण रिक्ति उत्पन्न हुई है, जिसके चलते निर्वाचन आयोग द्वारा उपचुनाव कराया जाएगा। इनमें से गुजरात और महाराष्ट्र की सीटों पर 23 अप्रैल और बाकी सभी सीटों पर 09 अप्रैल को मतदान होगा।

ड्यूटी के दौरान जेसीओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

पुंछ, 15 मार्च । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को ड्यूटी के दौरान भारतीय सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मृतक जेसीओ की पहचान सूबेदार संदीप कुमार ढाका के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा। घटना के तुरंत बाद उन्हें इलाज के लिए नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को आगे की मेडिको-लीगल औपचारिकताओं के लिए उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) सुरनकोट भेज दिया गया।

रामदास अठावले ने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों पर प्रकाश डाला

संकट के बीच भारत के पास पर्याप्त ईंधन का भंडार उपलब्ध है, मंत्री ने आश्वासन दिया

जम्मू, 15 मार्च- केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, श्री रामदास अठावले ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों पर प्रकाश डाला। आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, जम्मू-कश्मीर में सड़क और रेल कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से आवागमन में सुधार हुआ है और इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि बेहतर सुविधाओं के साथ रेल कनेक्टिविटी का भी विस्तार हुआ है, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि रेल मंत्रालय रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

श्री अठावले ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की गति तेज हुई है। बढ़े हुए निवेश, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी पहलों ने इस क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने और तेजी से विकास करने में योगदान दिया है। मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को लाभ पहुंचाने वाली कई कल्याणकारी पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मार्च 2026 तक, केंद्र शासित प्रदेश में प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 24 लाख 37 हजार बैंक खाते खोले गए हैं, जिसके लिए 2014-26 के दौरान 1754.25 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया, जिससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। इसके अलावा, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत 12 लाख 79 हजार गैस कनेक्शन आवंटित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 2015-26 के दौरान प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लाभार्थियों को 54267.91 करोड़ रुपये के 25 लाख नौ हजार ऋण प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, सभी को आवास प्रदान करने के उद्देश्य से 2016-26 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत जम्मू-कश्मीर में 586 करोड़ रुपये की लागत से 35 हजार घरों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य

ब्लीच करवाती है तो इन बातों का भी रखें ख्याल

आमतौर पर महिलाएं व लड़कियां अपनी त्वचा की रंगत निखारने के लिए पार्लर में ब्लीच करवाती है या कई बार घर पर खुद ही करती है। अगर आप भी घर पर खुद से ब्लीच करती हैं तो ये 10 बातें आपको जरूर जानना चाहिए –

- चेहरे को साफ–सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए 'ब्लीच' एक बेहतर विकल्प है। ब्लीच आपकी त्वचा के अनचाहे बालों को छिपाने के साथ ही त्वचा में सोने सा निखार भी लाता है।
- ब्लीच का इस्तेमाल हाथ, पैर व पेट पर भी वेक्स के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- ध्यान रहे ब्लीच में अमोनिया की मात्रा निर्देशानुसार ही मिलाए। इसमें अमोनिया की अधिक मात्रा आपके चेहरे को नुकसान पहुंचा सकती है।
- इसे लगाते समय बस इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।
- आजकल बाजार में कई प्रकार की कंपनियों के ब्लीच उपलब्ध हैं, जिनके ट्रायल पैक का इस्तेमाल कर आप उन्हें अपनी स्कीन पर आजमा सकती है।
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।
- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।

सिर्फ 5 मिनट में मिटेगी सिर की खुजली, स्कैल्प में लगाएं ये नैचरल हर्ब

अगर आपके सिर में बहुत खुजली हो रही है और इस कारण डैंड्रफ भी परेशान कर रहा है तो आपको कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि अपना फ्रिज खोलकर चुटकियों में इस समस्या का समाधान कर सकते हैं.

- सिर की खुजली एक आम समस्या है। हर मौसम में अलग–अलग कारणों से यह समस्या परेशान कर सकती है। यदि आप भी इसका सामान कर रहे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप यहां बताए गए तरीके से सिर्फ 5 मिनट में अपने सिर की खुजली से राहत पा सकते हैं।
- यह तरीका अपनाने के लिए आपको चाहिए एक नींबू और दो चम्मच सादा पानी (मिनरल वॉटर होगा तो और भी अच्छा रहेगा)। इसके बाद इन दोनों को मिलाकर अपने बालों की स्कैल्प में लगाना है। कैसे लगाना है और कितनी देर लगाना, इस बारे में यहां जानें.
- सबसे पहले आप 1 नींबू लेकर उसे काट लें और उसका रस निकाल लें। नींबू का रस निकालते समय आप कटोरी के ऊपर छलनी रखकर इसे निचोड़ें ताकि इसके रेशे और बीज, रस के साथ मिक्स ना रहें और छलनी में ही अलग हो जाएं।
- अब आप इस रस में दो चम्मच पानी मिला लें। यदि आपके बाल लंबे हैं तो आप दो नींबू ले सकते हैं और इसमें 4 चम्मच पानी मिला सकते हैं। नींबू और पानी के घोल को तैयार करने के बाद इसमें एक चम्मच गुलाबजल मिला लें।
- नींबू, पानी और गुलाबजल के मिश्रण को मुख्य रूप से बालों की जड़ों में लगाना है। ताकि आपके सिर की खुजली को शांत किया जा सके और डैंड्रफ को दूर किया जा सके। सिर की त्वचा में इस मिश्रण को लगाने के लिए आप आधे नींबू का वो छिलका लें, जिससे आपने रस निचोड़ा है।
- अब इस छिलके को तैयार मिश्रण में डुबोकर अपने बालों की जड़ों में हल्के हाथों से रगड़ते हुए लगाएं। आपको धीरे–धीरे यह काम करना है ताकि आपकी त्वचा इस लिक्विड को सोख सके और यह बहते हुए आपके चेहरे और गर्दन पर ना आए।
- इस मिश्रण को पूरे सिर में लगाने के बाद बालों की लंबाई में भी लगाएं। इसके बाद बालों को बांध लें और करीब आधा घंटा के लिए इसे ऐसे ही लगा रहने दें। जब आप इस मिश्रण को बालों में लगा रहे होंगे, आपकी खुजली तभी शांत होती जाएगी।
- हो सकता है कि सिर की त्वचा में हल्की–सी झनझनाहट हो, लेकिन यह 2 से 3 मिनट में ही ठीक हो जाएगी। आपको आधा घंटे के लिए यह मास्क लगाने के लिए इसलिए कहा जा रहा है ताकि आपके सिर से डैंड्रफ भी पूरी तरह गायब हो जाए।
- यदि आपको डैंड्रफ की समस्या नहीं है तो पूरे सिर में नींबू लगाने के 5 मिनट बाद भी आप अपने बालों को हर्बल शैंपू से धो सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि शैंपू करने के लिए जिस पानी का उपयोग करें, वह निमाया (बहुत हल्का–सा गर्म) होना चाहिए। ताकि सर्दी के मौसम में आपको जुकाम ना हो।
- इस बात का ध्यान रखें कि नींबू बालों के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है लेकिन इसका बहुत अधिक उपयोग करने से बालों में रूखापन बढ़ सकता है। इसलिए यदि आप सप्ताह में एक सो दो बार बालों में नींबू लगाते हैं तो यह पर्याप्त है। इससे अधिक बालों में नींबू का उपयोग करने से रूखापन बढ़ सकता है।
- नींबू के रस में साइट्रिक एसिड और विटमिन–सी पाए जाते हैं। साथ ही नींबू का रस ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। यह सिर में खुजली करनेवाले बैक्टीरिया और फंगी इत्यादि को दूर करता है। स्कैल्प की गहरी सफाई करता है।
- गुलाबजल सिर में हो रही जलन और खुजली को शांत करने में सहायता करता है। यह सिर की त्वचा को टोन करता है और बालों की जड़ों में नमी को ब्लॉक करने में मदद करता है। ताकि सिर में डैंड्रफ ना आए।

टीकाकरण कार्ड को अप–टू–डेट रखना प्रत्येक माता–पिता के लिए क्यों जरूरी है

नए बच्चे का जीवन में आना हर मां-बाप के लिए एक रोमांचक समय होता है। चाहे वह नवजात शिशु को अपनी बाहों में उठाना हो या फिर बच्चे की जरूरतों के इर्द-गिर्द अपने जीवन को व्यवस्थित करना हो, पितृत्व की खुशियां किसी से कम नहीं होतीं। इस उत्साह के बीच, माता-पिता अक्सर उन जिम्मेदारियों का सामना करते हुए दिखते हैं, जिनके लिए वे तैयार ही नहीं थे। बच्चों की बहुत सारी जरूरतें होती हैं, खासकर तब जब उनके स्वास्थ्य की बात आती है। कई माता-पिता टीकाकरण की योजना बनाते समय अनिश्चितता में रहते हैं। जब आप पहली बार माता-पिता बनते हैं, तो शिशु का टीकाकरण अपरिहार्य यानी बेहद जरूरी- सा लगता है।

बतौर माता–पिता अपने बच्चे को पूरी तरह से सुरक्षा देने के लिए प्रथम चरण के टीकाकरण को प्राथमिकता देना जरूरी है। जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली लगातार विकसित हो रही होती है, जो उन्हें बहुत सारी बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील बनाती है। सही टीकाकरण करके बच्चों को एक दर्जन से अधिक गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। वास्तव में, अप–टू–डेट टीकाकरण न केवल बच्चे के लिए, बल्कि उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है, जो नियमित रूप से उसके आसपास रहते हैं।

टीकाकरण का ध्यान रखना

आपके बच्चे के अधिकांश टीकाकरण जन्म और 6 साल के बीच पूरे होते हैं। कई टीके अलग–अलग उम्र में, और कॉम्बिनेशन में एक से अधिक बार दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि आपको अपने बच्चे के हर टीके का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड रखना होगा। यद्यपि कभी–कभी आपका डॉक्टर / अस्पताल भी नजर रखेगा, लोग शहरों / डॉक्टरों को बदलते हैं, रिकॉर्ड खो जाते हैं, और इसलिए आपके बच्चे के टीकाकरण पर नजर रखने के लिए अंतत: जिम्मेदार व्यक्ति आप ही हैं।

टीकाकरण कार्ड बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का पासपोर्ट

टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने और माता–पिता को अपने बच्चे के टीकाकरण का ट्रैक रखने में मदद करने के लिए, टीकाकरण कार्ड होना जरूरी है। दुनिया भर के बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से रेकमेंडेड टीकाकरण कार्ड उपयोगी स्वास्थ्य रिकॉर्ड है, जिसमें टीकाकरण की तारीखों और खुराक के बारे में जानकारी शामिल होती है। अक्सर, माता–पिता टीकाकरण के महत्व के बारे में जानते हैं, लेकिन एक उचित रिकॉर्ड की कमी के कारण महत्वपूर्ण टीकाकरण छूट जाते हैं। इस जगह पर टीकाकरण कार्ड एक संगठनात्मक दस्तावेज के रूप में काम आता है, जिसमें सभी प्रकार का डेटा एक ही स्थान पर रखा जाता है, ताकि माता–पिता अपने बच्चे के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें। अपने बच्चे के टीकाकरण कार्ड के बारे में सोचें और इसे अपने अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संभालकर रखें। आप यहां से आसानी से पढ़ा जाने वाला टीकाकरण कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

टीकाकरण कार्ड इतना महत्वपूर्ण क्यों है

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की सिफारिश है कि बच्चों को टीकाकरण कार्ड में उल्लिखित अनुसूची के अनुसार टीका लगाया जाना चाहिए। यह बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा रेकमेंडेड है, ताकि बच्चों में समय पर ढंग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण किया जा सके, जो जानलेवा बीमारियों में बदल सकता है। जब बच्चे एक विशेष उम्र तक पहुंच जाते हैं, तो वे कुछ बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। तो इसलिए एक सारणी का पालन करना आवश्यक है, जो सुरक्षित और विज्ञान पर आधारित हो। इसके अलावा यह बार–बार बच्चे को हेल्थ केयर प्रोवाइडर के पास ले जाने से भी बचाता है और मां को उसके बच्चे के स्वास्थ्य पर नियंत्रण की समझ भी देता है। उम्र के हिसाब से टीकाकरण आम तौर पर माता–पिता पहले

वर्ष के टीकाकरण का विवेकपूर्ण तरीके से पालन करते हैं और जैसे–जैसे उनका बच्चा बढ़ता है, वैसे–वैसे वे आगामी टीकाकरण के प्रति लापरवाही बरतने लगते हैं। बच्चे के जीवन में पहले पांच साल उनकी वैक्सीनेशन जर्नी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और टीके नीचे दिए गए हैं :

जन्म पर :

बीसीजी (टूबरक्यूलोसस), हेपेटाइटिस बी
ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन)

6 सप्ताह से 6 महीने के बीच :

डीटीपी, हिब, हेप–बी, आईपीवी
पीसीवी (न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन)
रोटावायरस

6–12 महीनों के बीच :

इन्फ्लुएंजा (5 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनुशंसित)
एमएमआर (खसरा, गलसुआ और रूबेला)
टाइफाइड, मेनिंगोकोक्सल

1–2 साल के बीच :

हेपेटाइटिस–ए, चिकनपॉक्स, डीटीपी, हिब, आईपीवी
न्यूमोकोकल, एमएमआर

2–6 साल के बीच :

मेनिंगोकोक्सल, एमएमआर, डीटीपी, आईपीवी

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा टीकाकरण और टीकाकरण प्रथाओं, 2020–21 की सलाहकार समिति के अनुसार अनुसूची विशेष स्थितियों के लिए डीटीपी : डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस ; हिब : हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी ; हेप–बी : हेपेटाइटिस बी ; आईपीवी : इंजेक्शन पोलियो वैक्सीन

टीकाकरण कार्ड के बारे में मुख्य जानकारी

टीकाकरण कार्ड सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दस्तावेज में से एक है, जो एक बच्चे का होना जरूरी है। हमेशा अपने बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाने के दौरान इसे अपने साथ रखें। माता–पिता की जिम्मेदारी है कि जब भी वो बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाएं, तो कार्ड को जरूर अपडेट करवाएं। इस प्रकार, माता–पिता से यदि गलती से टीकाकरण चूक जाए या फिर ड्यू रह जाए, तो वह इसके लिए तैयार रह सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कदम उठाना चाहिए और सबसे पहले बाल रोग विशेषज्ञ से अगले टीकाकरण के लिए परामर्श करना चाहिए और चीजों को नियंत्रण में रखना चाहिए। माता–पिता को अधिक तैयार रखने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा इम्यूनाइज इंडिया ऐप जैसी कई मुफ्त डिजिटल टीकाकरण अनुस्मारक सेवाएं (डिजिटल वैक्सीनेशन रिमांइडर सर्विस) भी हैं। टीकाकरण कार्ड को मेंटेन करने के अलावा, ये ऐप्स सुनिश्चित करते हैं कि माता–पिता अपने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अधिक सक्रिय हों। जब आपके बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की बात आती है, तो समय पर टीकाकरण ही उसे दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है और स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी इम्यूनिटी बनाने में मदद कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

माँ काली पर आधारित डोगरी कारक संगीत को बढ़ावा देने के लिए संगीतकार त्सेवांग दोरजी को किया सम्मानित

जम्मू, 15 मार्च (हि.स.)। प्रतिभा को दिल छू लेने वाली पहचान देते हुए कैथ म्यूजिक फैक्ट्री ने प्रतिभाशाली संगीतकार त्सेवांग दोरजी को भावपूर्ण डोगरी कारक संगीत को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट प्रयासों विशेष रूप से फ़बावे वाली काली माताफ़ की उनकी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया। 1999 से जम्मू के निवासी दोरजी ने संगीत की एक समृद्ध रचना की है जो सीमाओं और भाषाओं से परे है। लद्दाखी, कश्मीरी, डोगरी, राजस्थानी और हिमाचली सहित कई क्षेत्रीय भाषाओं में उनके गायन ने पूरे भारत में श्रोताओं को मोहित किया है। उर्दू ग़ज़लों के उस्ताद, दोरजी की सुरीली आवाज़ महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में गूंजी है। प्रतिष्ठित गांधी ग्लोबल पुरस्कार से सम्मानित दोरजी की उपलब्धियां कला के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण हैं। भगवती नगर में आयोजित एक विशेष अभिनंदन समारोह में भाजपा नेता आर.एल.कैथ और संगीत निर्देशक विक्की कैथ ने दोरजी के उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए उन्हें उभरते कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 25 गोवंश बचाए, तस्करी में इस्तेमाल ट्रक जब्त

कठुआ, 15 मार्च (हि.स.)। जिले में गोवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने हटली पुलिस पोस्ट अधिकार क्षेत्र पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 गोवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। इस दौरान तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा एक ट्रक भी जब्त किया गया जबकि चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पंजाब की ओर से आ रहे ट्रक एचआर55एबी-0701 में गोवंश की तस्करी की सूचना मिलने पर हटली पुलिस पोस्ट प्रभारी ईशान के नेतृत्व में हटली पुलिस टीम ने विशेष नाका लगाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर 25 गोवंश को क्रूर तरीके से बांधकर अवैध रूप से ले जाया जा रहे थे। पुलिस ने सभी गोवंश को सुरक्षित छुड़ाकर ट्रक को मौके पर जब्त कर लिया। इस मामले में थाना कठुआ में एफआईआर नंबर 135/2026 के तहत बीएनएस की धारा 223 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूरी कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के दिशा-निर्देश में की गई।

उप-मुख्यमंत्री ने सड़क नेटवर्क को मज़बूत करने और आसान पहुँच सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

राजौरी, 15 मार्च। लोगों के लिए सड़क संपर्क को मज़बूत करने और आसान पहुँच सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज राजौरी ज़िले के नौशेरा निर्वाचन क्षेत्र में कई सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

अपने दिन भर के दौरे के दौरान, उप-मुख्यमंत्री ने नौशेरा क्षेत्र में व्यापक जन-संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए, ताकि लोगों की शिकायतों और विकास संबंधी चिंताओं को सुना जा सके।

उन्होंने राजौरी ज़िले के सेरी ब्लॉक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत, ऑटो स्टैंड खेरी से मस्जिद पोथा ईस्ट तक जाने वाली लिंक रोड के निर्माण और रखरखाव की आधारशिला रखी। यह परियोजना 4.0 किलोमीटर लंबी है, जिसके लिए 927.62 लाख की अनुमानित लागत स्वीकृत की गई है। उम्मीद है कि इससे सड़क संपर्क में काफ़ी सुधार होगा और स्थानीय आबादी के लिए आवागमन आसान हो जाएगा।

इस अवसर पर, उप-मुख्यमंत्री ने दो अन्य सड़क परियोजनाओं की भी आधारशिला रखी, जिनमें ढाका से हाई स्कूल मोह पोथा और गानिया से पटली (लिंक रोड) शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण सड़क बुनियादी ढांचे को मज़बूत करना और क्षेत्र में ज़रूरी सेवाओं तक पहुँच को बेहतर बनाना है।

आधारशिला रखने के समारोहों के बाद, उप-मुख्यमंत्री ने जन-संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए, जहाँ उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और विकास कार्यों के संबंध में उनकी शिकायतें और सुझाव सुने। लोगों द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों में मंगल देवी से श्मशान घाट तक सड़क का निर्माण, विकास परियोजनाओं के लिए वन विभाग से मंज़ूरी पीने के पानी की कमी, पंचायत गगरोट में एक पुस्तकालय की स्थापना, गानिया में एक सामुदायिक भवन का निर्माण, गानिया स्कूल के पास एक मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम का विकास, और चौकी से लंगर तक जाने वाली सड़क की खस्ता हालत शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए, उप-मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों में तेज़ी लाने और यह सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया कि बुनियादी सुविधाएँ क्षेत्र के हर कोने तक पहुँचें। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जन-संपर्क कार्यक्रमों के दौरान उठाए गए मुद्दों को संबंधित विभागों के साथ उठाया जाएगा, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके।

पुलिस ने मवेशी तस्करी के दो प्रयास विफल किए, 13 मवेशी बचाए

जम्मू, 5 मार्च (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत अभियान जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने पीपी सिधरा और पीपी मनवाल के अधिकार क्षेत्र में मवेशी तस्करी के दो प्रयासों को विफल किया और 13 मवेशियों को बचाया। पहली घटना में पीपी सिधरा की एक पुलिस टीम ने नियमित गश्त के दौरान एक टाटा लोड कैरियर (जेके 22सी-6810) को रोका। जांच करने पर उसमें वैध अनुमति के बिना 4 मवेशी लदे पाए गए। चालक ओवैस असलम पुत्र मोहम्मद असलम निवासी पाहनू, शोपियां को दो सहायकों के साथ गिरफ्तार किया गया। मवेशियों को बचा लिया गया और वाहन जब्त कर लिया गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन नगरोटा में धारा 223 बीएनएस और धारा 11 पीसीए अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 73/2026 दर्ज की गई है। एक अन्य घटना में, विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस स्टेशन मनवाल की एक टीम ने बट्टल धार रोड पर नाधल में नाका लगाया। टाटा लोड कैरियर (जेके21के-3197) ने नाका तोड़कर भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उसका पीछा किया और उसे रोक लिया। जाँच के दौरान उसमें बिना अनुमति के 9 मवेशी लादे हुए पाए गए।

पुलिस चोरी के मामले को सुलझाया

जम्मू, 15 मार्च (हि.स.)। पुलिस चौकी जौरियां ने पुलिस थाना अखनूर में एफ आईआर संख्या 235/2025 यू/एस 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज चोरी के एक मामले को सुलझा लिया है और 50 चोरी के एलपीजी गैस सिलेंडर (इंडियन ब्रांड) बरामद किए हैं। जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति जिसका नाम जाकिर हुसैन पुत्र अब्दुल मजीद शाह है (निवासी कोटली मियां फतेह, आरएसपूरा जम्मू; वर्तमान निवासी गुर्जर बस्ती, बेलीचरना, जम्मू, को पकड़ा गया। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली और उस जगह का खुलासा किया जहां चोरी के सिलेंडर छिपाकर रखे गए थे। इसके खुलासे पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने 50 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए जिनकी पहचान शिकायतकर्ता ने मौके पर ही कर ली। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई टाटा मोबाइल (पंजीकरण संख्या जेके 02 बीडी-2805) को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

'कठुआ में एलपीजी सिलेंडरों की कोई कमी नहीं, घबराने की जरूरत नहीं'

कठुआ, 15 मार्च (हि.स.)। जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच एडी एफसीएस एंड सीए कठुआ मोहम्मद सगीर ने स्पष्ट किया है कि जिले में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और सभी गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि विभाग की टीम ने विभिन्न एलपीजी एजेंसियों का दौरा कर मौके पर स्थिति का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य रूप से जारी है।

पुलिस ने गजनसु मे हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू, 15 मार्च (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने गजनसु में हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए नियमित गश्त के दौरान एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करके एक और सफलता हासिल की। 15.03.2026 को बीपीपी पुलिस स्टेशन कनाचक की एक पुलिस टीम ने गजनसु सटे रिंग रोड सर्विस लेन के पास नियमित गश्त के दौरान *अभि कुमार, पुत्र मदन लाल, निवासी घौ मनहसन* को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 4.54 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। तदनुसार, पुलिस स्टेशन कनाचक में एफआईआर संख्या 39/2026* के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस जिले में मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के लिए प्रतिबद्ध है।

केयू के करियर काउंसलिंग केंद्र ने बड़ी उपलब्धि हासिल की, 11 उम्मीदवारों ने जेकेएएस परीक्षा उत्तीर्ण की

श्रीनगर, 15 मार्च (हि.स.)। कश्मीर विश्वविद्यालय (केयू) के करियर काउंसलिंग, कोचिंग और प्लेसमेंट केंद्र (सीसीपी) से जुड़े 11 उम्मीदवारों ने जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) परीक्षा उत्तीर्ण की है। जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग (जेकेपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित किए। अधिकारी के अनुसार 90 उम्मीदवारों को विज्ञापित रिक्तियों के लिए उनकी उपयुक्तता निर्धारित करने हेतु अनिवार्य चिकित्सा परीक्षण के लिए अनुशंसित किया गया था। सफल उम्मीदवारों का नाम आयोग द्वारा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) के लिए घोषित चयन सूची में शामिल है जो विश्वविद्यालय के कोचिंग और मेंटरिंग केंद्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सीसीपी के जिन उम्मीदवारों ने प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण की है उनमें दाऊद बिन सलाम (11वीं रैंक), सैयद जीशान निसार (14वीं रैंक), मीर मुजीब (24वीं रैंक), आमिर हसन (26वीं रैंक), मुहतशिम इशाक (29वीं रैंक), फैज़ान-उल-हक (30वीं रैंक), आरिफ-उल-असद (35वीं रैंक), नवीद शरीफ (72वीं रैंक), खालिद बशीर (70वीं रैंक), तालिब जरगर (80वीं रैंक) और इम्तियाज पोसवाल (89वीं रैंक) शामिल हैं। केयू की कुलपति प्रोफेसर नीलोफर खान ने सफल उम्मीदवारों को बधाई दी और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने सिविल सेवा उम्मीदवारों के लिए मार्गदर्शन, सलाह और शैक्षणिक सहायता का एक सहायक वातावरण बनाने के लिए सीसीपीसी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने सीसीपी के निदेशक नज़ीर अहमद डार, उप निदेशक याह्या बख्तियार, कार्यक्रम समन्वयक और सीसीपी की संकाय सदस्य सुश्री फातिमा अली और केंद्र के अन्य समन्वयकों द्वारा छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा प्रक्रिया में मार्गदर्शन देने में निभाई गई भूमिका को भी स्वीकार किया। केयू के रजिस्ट्रार प्रो. नसीर इकबाल ने भी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को सहयोग देने के लिए केंद्र से जुड़े सीसीपीसी के संकाय सदस्यों और मार्गदर्शकों के निरंतर प्रयासों की सराहना की। कुलपति ने कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने में विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मार्गदर्शन और समन्वय के लिए सुश्री फातिमा अली, प्रो. मोहम्मद सुल्तान भट, डॉ. अशफाक अहमद जरी और सुश्री जाफिरा बशीर सहित सीसीपीसी की समीक्षा समिति की भूमिका को भी स्वीकार किया। इस बीच समीक्षा समिति ने भी चयनित उम्मीदवारों को बधाई दी और सीसीपीसी टीम के सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनके मार्गदर्शन और सहयोग ने इस उपलब्धि में योगदान दिया। केयू में 2004 में स्थापित करियर योजना और परामर्श केंद्र (सीसीपीसी) व्यापक करियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग, कौशल विकास और प्लेसमेंट सहायता प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नगरी में दो सड़कों के मैकडमाइजेशन का शुभारंभ

कठुआ, 15 मार्च (हि.स.)। विधायक कठुआ डॉ. भरत भूषण ने रविवार को नगरी परोल तहसील में दो महत्वपूर्ण सड़कों के मैकडमाइजेशन कार्य का शुभारंभ किया। इनमें टोल प्लाजा नगरी से नकियां गांव तक तथा डॉ. बी आर अंबेडकर नगरी से खोख्याल-चंगरां तक जाने वाली सड़कें शामिल हैं।

इन सड़कों की हालत लंबे समय से खराब थी, जिससे क्षेत्र के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क निर्माण से आसपास के 20 से अधिक गांवों के निवासियों के साथ-साथ पंजाब के नरोट और बमियाल क्षेत्र से कठुआ आने-जाने वाले लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर विधायक डॉ. भरत भूषण ने बताया कि दोनों सड़कों के मैकडमाइजेशन कार्य पर लगभग 30 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कठुआ विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली वितरण और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरिंदर शर्मा, तहसीलदार नगरी परोल आना जम्वाल, बीडीओ नगरी प्रदीप सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि अंडोत्रा, वरिष्ठ नेता रविंदर पठानिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नगरी अनिल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अर्पण वर्मा सहित नगरी, नकियां और सैदपुर गांव के कई लोग मौजूद रहे। इससे पहले विधायक ने नगरी स्थित श्री माता बाला सुंदरी श्राइन परिसर में 1.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले गेस्ट हाउस कम डॉर्मिटरी के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी

श्रीनगर, 15 मार्च (हि.स.)। गुलमर्ग पर्यटन स्थल सहित कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में रविवार को बारिश हुई। अफरवाट और कोंगडूरी कटोरे सहित गुलमर्ग के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी हुई, जो अंतिम रिपोर्ट आने तक जारी रही। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मुगल रोड के साथ पीर की गली और सोनमर्ग जोजिला अक्ष पर भी ताजा बर्फबारी हुई।

अधिकारियों ने बताया कि ज़ोजिला दर्रे पर बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई जो आखिरी रिपोर्ट तक जारी थी। बारिश मौसम के कारण घाटी में दिन का तापमान नीचे आ गया है। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक मौसम के अनियमित रहने का अनुमान जताया है। इसमें कहा गया है कि सोमवार सुबह तक रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। मंगलवार को ऊंचाई वाले इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 18-20 मार्च तक मौसम आमतौर पर बादल छाए रहेगा और कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि 24-25 मार्च को एक और बारिश की संभावना है, छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हो सकती है।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 15 मार्च। साहिब बंदगी के सद्गुरु साहिब जी ने आज मिश्रीवाला में अपने प्रवचनों की अमृतवर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि पूरी दुनिया तत्वों की है।

पृथ्वी की उत्पत्ति जल से है, जल की उत्पत्ति अग्नि से है, आग की उत्पत्ति हवा से है, हवा की उत्पत्ति आकाश से है, शून्य से है, इसलिए सब निराकार को परमात्मा मान रहे हैं।

जैसे तिलों में सार तेल है, मेंहदी में सार लालिमा है, इस तरह स्वांसा में सार आत्मा है। शास्त्रों में आता है कि प्राणों को धारण करने पर इस आत्मा को जीव कहते हैं। इसलिए जब इंसान मर जाता है तो कहते हैं कि इसके प्राण निकल गये। प्राण निकल गये तो शरीर निर्जीव हो गया।

बाहर से अब कितनी भी स्वांस देते रहो, वो नहीं उठेगा। क्योंकि आज्ञाचक्र में आत्मा प्राणों में रम गयी है और पूरे शरीर में समा गयी है।

इन सबमें प्राण वायु प्रमुख है। यह रानी वायु है। यह हृदय में रहती है। इसी प्राण को यमराज पकड़ता है। इस तरह प्राणों में आत्मा रमी है इसलिए शरीर चल रहा है। बिजली से सब कुछ चल रहा है। अगर बिजली चली गयी तो बिजली से चलने वाली सब चीजों का खेल खत्म हो जायेगा। इस तरह शरीर में आत्मा का पूरा खेल है। आत्मा का वास आज्ञाचक्र में है। स्वांस लेने का काम आत्मा कर रही है। प्राणों को धारण करके आत्मा बंधन में आ गयी। शरीर की वृत्तियों को अपना मान लिया आत्मा ने। भूख, प्यास आत्मा को नहीं लगती है, यह तो शरीर की वृत्ति है। इस पिंजरे को ऐसा बनाया कि आत्मा को इसमें फँसा दिया।

आत्मा इस शरीर रूपी पिंजरे से निकल नहीं पा रही है।

स्थूल जगत का पूरा खेल शून्य का है। इसलिए धर्म शास्त्र निराकार को संसार का अधिष्ठा मानते हैं। पर साहिब आगे की बात कह रहे हैं। बोल रहे हैं कि आगे भी कुछ है। क्योंकि पाँचों तत्व से यह संसार है, सब शून्य से बना है। लेकिन आत्मा शून्य से नहीं बनी है। आगे का वो भेद, आगे का वो संदेश सबसे पहले कबीर साहिब संसार में जीवों के कल्याण के लिए लेकर आए।

LG विनय कुमार सक्सेना ने लेह के मुख्य बाज़ार और हेरिटेज इलाकों का निरीक्षण किया

लेह, 15 मार्च। उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह के मुख्य बाज़ार और लेह के पुराने शहर, चुटेरंतक और मध्य एशियाई संग्रहालय के हेरिटेज इलाकों का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरे का मकसद नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर, साफ़-सफ़ाई और हेरिटेज संरक्षण की समीक्षा करना था।

लद्दाख की सड़कों पर उतरकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर खरे उतरते हुए, श्री सक्सेना मुख्य बाज़ार और पुराने शहर के आस-पास की सड़कों और गलियों में पैदल चले। उन्होंने सार्वजनिक जगहों और अन्य सुविधाओं के रखरखाव और देखभाल के लिए निर्देश जारी किए। श्री सक्सेना ने कई स्थानीय लोगों से भी बातचीत की, जिन्होंने L-G के सामने अपनी शिकायतें रखीं।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लेह शहर में साफ़-सफ़ाई, इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और शहरी प्रबंधन से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए एक महीने के भीतर एक व्यापक योजना तैयार करें। इसका मकसद एक साफ़-सुथरा, व्यवस्थित और पर्यटकों के लिए अनुकूल शहरी माहौल सुनिश्चित करना है।

लेह के मुख्य बाज़ार के दौरे के दौरान, उपराज्यपाल ने बाज़ार क्षेत्र में एक जैसा डिज़ाइन और साइनेज सिस्टम बनाए रखने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, ताकि बाज़ार की सुंदरता और बढ़ सके। लेह के मुख्य बाज़ार को अपनी एक अनोखी पहचान और आकर्षण वाला एक सुंदर बाज़ार बताते हुए, श्री सक्सेना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बाज़ार को और सुंदर बनाने और वहां रहने वालों व पर्यटकों, दोनों के लिए एक आकर्षक माहौल बनाने के लिए उचित जगहों पर बड़े-बड़े सजावटी गमले लगाएं।

उन्होंने आगे निर्देश दिया कि बाज़ार क्षेत्र में टूटी हुई सीढ़ियों और फुटपाथों की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए, और फुटपाथों के लिए एक जैसे डिज़ाइन वाली टाइलों का इस्तेमाल किया जाए, ताकि देखने में सब कुछ एक जैसा और सुंदर लगे। बाज़ार क्षेत्रों के अंदर और आस-पास साफ़-सफ़ाई और स्वच्छता की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए, श्री सक्सेना ने निर्देश दिया कि बाज़ार क्षेत्र में लगे दाग-धब्बे और धूल-मिट्टी को साफ़ करने के लिए नियमित रूप से उचित सफ़ाई के तरीकों का इस्तेमाल किया जाए, ताकि शहर में आने वाले पर्यटकों को एक सुखद अनुभव मिल सके।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे नालियों की नियमित सफ़ाई और कूड़ा-कचरा हटाने का काम सुनिश्चित करें, ताकि गंदा पानी बिना किसी रुकावट के आसानी से बह सके। उन्होंने बाज़ार क्षेत्र में साफ़-सफ़ाई बनाए रखने और कूड़ा-कचरा फैलने से रोकने के लिए तय जगहों पर कूड़ेदान रखने का निर्देश दिया। उन्होंने आग निर्देश दिया कि आग बुझाने वाले हाइड्रेंट पूरी तरह से काम करने लायक हों और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आग बुझाने के पर्याप्त इंतज़ाम मौजूद हों।

लेह के पुराने शहर का निरीक्षण करते समय, श्री सक्सेना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मध्य एशियाई संग्रहालय तक पहुंचने वाले रास्ते को बेहतर बनाएं और उसे देखने में और भी ज्यादा आकर्षक बनाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि लेह ओल्ड टाउन से गुज़रने वाली जल निकासी नालियों को चौड़ा किया जाए और उन्हें ठीक से बनाया जाए, ताकि वे कभी भी सड़कों पर न बहें। श्री सक्सेना ने संबंधित विभागों को इलाके से मलबा हटाने और साफ़-सफाई बनाए रखने का भी निर्देश दिया; उन्होंने कहा कि लेह ओल्ड टाउन लद्दाख की सदियों पुरानी संस्कृति और समृद्ध ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है।

संपादकीय

शांत हो जाइए, सिलेंडर आ जाएँगे

हाल के हफ़्तों में, देश के कई हिस्सों में LPG सिलेंडरों की कमी की ख़बरों ने घरों में चिंता की लहर पैदा कर दी है; गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लगना और डिस्ट्रीब्यूटरों को घबराकर फ़ोन करना अब एक आम नज़ारा बन गया है। जहाँ आम नागरिक की चिंता समझ में आती है, वहीं यह भी उतना ही ज़रूरी है कि हम एक कदम पीछे हटें, शांत मन से स्थिति का आकलन करें, और कोई भी ऐसी प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्यों को अफ़वाहों से अलग करें, जिससे अनजाने में वही समस्या और भी बदतर हो जाए जिसका हमें डर है।

LPG सप्लाई में मौजूदा रुकावट न तो कोई मनगढ़ंत संकट है और न ही यह किसी सिस्टम की नाकामी का संकेत है। यह ज़्यादातर मध्य-पूर्व में चल रही उथल-पुथल का नतीजा है — यह वह क्षेत्र है जो वैश्विक ऊर्जा सप्लाई चेन के केंद्र में बना हुआ है। जब खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष और अस्थिरता फैलती है, तो इसका असर पूरी दुनिया में महसूस होता है, और भारत, जो ऊर्जा का एक बड़ा आयातक है, ऐसी रुकावटों से अछूता नहीं है। यह एक वैश्विक घटना है, न कि सिर्फ़ भारत की कोई नाकामी, और इसे इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए।

हालाँकि, जिस चीज़ से बचा जा सकता है, वह है ऐसी स्थितियों के साथ आने वाली घबराहट। घबराहट में खरीदारी करना — एक ही बार में कई सिलेंडर बुक करने की होड़, और अपनी तत्काल ज़रूरत से ज़्यादा सिलेंडर जमा करना — शायद सप्लाई में कमी के समय में किसी नागरिक की सबसे ज़्यादा नुकसान पहुँचाने वाली प्रतिक्रिया है। जब वे लोग जिन्हें तुरंत सिलेंडर की ज़रूरत नहीं है, वे भी डर के मारे सिलेंडर बुक करने के लिए दौड़ पड़ते हैं, तो वे असल में उस परिवार को सिलेंडर से वंचित कर देते हैं जिसे आज उसकी सचमुच ज़रूरत है। ज़रूरतमंद लोग — जैसे दिहाड़ी मज़दूर, छोटे परिवार, और अकेले रहने वाले बुज़ुर्ग नागरिक — इस कमी का सबसे ज़्यादा बुरा असर झेलते हैं; यह कमी कुछ हद तक बनावटी होती है और कुछ हद तक खुद लोगों की वजह से पैदा होती है।

नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि वे संयम बरतें और सिलेंडर तभी बुक करें जब उनकी सचमुच ज़रूरत हो। सोशल मीडिया पर फैल रही अफ़वाहों — जैसे कि सप्लाई में हमेशा के लिए कमी, कीमतों में भारी बढ़ोतरी, या सप्लाई सिस्टम का पूरी तरह से ठप हो जाना — पर आँख मूँदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। आज के ज़माने में जब गलत जानकारी तथ्यों से भी ज़्यादा तेज़ी से फैलती है, तो हर नागरिक की यह ज़िम्मेदारी है कि वह किसी भी बात पर यकीन करने से पहले उसकी सच्चाई की जाँच करे, और कोई भी प्रतिक्रिया देने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर ले।

यह एक तथ्य है कि सरकार सप्लाई की स्थिति पर लगातार नज़र रख रही है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए तय चैनलों के ज़रिए काम कर रही है। भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार और तेल मार्केटिंग कंपनियों की सक्रिय भागीदारी, सप्लाई में लंबे समय तक आने वाली रुकावटों से निपटने के लिए एक मज़बूत सहारा प्रदान करती है। हमारे सिस्टम ने पहले भी इस तरह के दबावों को सफलतापूर्वक संभाला है, और इसमें उन्हें दोबारा संभालने की पूरी संस्थागत क्षमता मौजूद है।

बाहरी दबाव के समय सरकारी संस्थाओं पर भरोसा करना कोई नासमझी नहीं है — बल्कि यह एक समझदार नागरिक होने की निशानी है। नागरिकों की ही तरह, सरकारों को भी कई बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो कभी-कभी उनके तत्काल नियंत्रण से बाहर होती हैं। अहम बात है नीयत और प्रयास; इस मामले में ये दोनों ही साफ़ नज़र आते हैं और भरोसेमंद हैं।

कमी, अगर कहीं है भी, तो वह अस्थायी है। नागरिकों का धैर्य, संयम और ज़िम्मेदाराना व्यवहार यह सुनिश्चित करने में बहुत मददगार साबित होगा कि इस मुश्किल दौर का बोझ सभी पर समान रूप से पड़े — और कोई भी परिवार अपनी ज़रूरत के खाना पकाने वाले ईंधन से वंचित न रहे।

डिजिटल अलगाव नहीं अब परिवेश से जुड़ाव की ओर जूमर्स

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जूमर्स का इतनी जल्दी आभासी दुनिया से मोहभंग होगा, यह समझ से परे है पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट से यही सामने आ रहा है। दरअसल, साल 1997 से 2012 तक की अवधि में आई पीढ़ी को जेन जेड या जूमर्स पीढ़ी के रुप में जाना जाता है। यह पीढ़ी इंटरनेट और स्मार्टफोन के साथ पली-बढ़ी पीढ़ी है। डिजिटल सेवी होने से आभासी दुनिया में इस पीढ़ी का अलग ही अनुभव रहा है। पर बहुत कम समय में आभासी दुनिया से इस पीढ़ी का तेजी से मोहभंग हो रहा है। सोशियो-साइको भाषा में कहा जाए तो जूमर्स एनालॉग पुनर्जागरण के दौर में आ गए हैं।

आभासी दुनिया के साथ इस पीढ़ी में जो तेजी से बदलाव देखा जा रहा है वह अब अलगाव की जगह सहभागिता की ओर बढ़ रहा है। एंड्रायड फोन की दुनिया से बाहर निकल कर अब सामाजिक मेल-मिलाप और अकेलेपन के स्थान पर सामाजिकता की ओर रुझान दिखाई देने लगा है। कहीं यह भी संकेत मिलने लगा है कि जूमर्स संस्कृति और आधुनिकता के बीच तारतम्य बिठाने की दिशा में बढ़ने लगे हैं। इस पीढ़ी द्वारा अब आभासी अनुभवों के स्थान पर धरातलीय अनुभवों को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। यही कारण है कि जूमर्स में अब पुरातन को नकार और तथाकथित आधुनिकता को स्वीकार के स्थान पर दोनों में सामंजस्य खोजने की नई सोच विकसित होने लगी है। अब डिजीटल अलगाव के स्थान पर जूमर्स मानवीय संवेदना, जमीनी हालातों के साथ बेबाक होने लगे हैं। यह नई तरह की सामाजिक सामंजस्यता है जिसे सकारात्मक बदलाव के रुप में देखा जाना चाहिए।

जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट प्लेटफार्म पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट में जेन जेड की जीवन शैली और सोच में बदलाव के यह संकेत उभर कर आये हैं। रिपोर्ट के अनुसार जूमर्स की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। अब सप्ताहांत ही नहीं बीच में भी घर से बाहर डिनर लेने, आपसी मेल-मिलाप, दो लोगों के साथ समय बिताने, अपने परिवेश से जुड़ने, डिजिटल दुनिया से बाहर आने की सोच बनती जा रही है। यह डिजिटल दुनिया के दौर में सामाजिकता के लिए सकारात्मक बदलाव माना जा सकता है। यह सब तब है जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अधिक समय देने के बावजूद जिस तरह की रील्स देखने को मिल रही है वह बदलाव का स्पष्ट संकेत है। पिछले दिनों बैंक बड़ौदा में खाता खुलवाया लोकप्रिय हुआ या युवाओं द्वारा समूह में सुंदरकांड-हनुमान चालीसा पाठ या भजन गायकी जेन जेड की बदलती मानसिकता की परिचायक है।

पिछले दिनों युवाओं में भजन क्लबिंग का दौर देखा जा रहा है। यह बदलाव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि इंटरनेट-सोशल मीडिया की दुनिया में जूमर्स अब सामाजिकता खोजने लगे हैं। यह सही है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया के स्थान पर अपनी सामाजिक गतिविधियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पदर्शित करने लगे हैं। यह भले रील्स के माध्यम से ही क्यों ना हो। इसका ताजातरीन उदाहरण सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चंग बजाते, फागुनी गीत गाते युवाओं की टीमों को देखा जा सकता है। इसी तरह सोशल मीडिया पर लोकगीतों और लोक परंपराओं की पालन करती महिलाओं को देखना आम होता जा रहा है। यह सोच के बदलाव का ही परिणाम है। अन्यथा हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि एक कमरे में बैठे परिवार के सभी सदस्य चाहे बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे, सभी स्क्रीन की दुनिया में खोए हुए देखे जाते हैं। बदलाव का यह दौर अब सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है पर यह सक्रियता सामाजिकता को दर्शाती मूल्यात्मक सक्रियता है।

टचिंग ग्रास रिपोर्ट में खासतौर से 11 रुझान देखे गए हैं। इनमें कोलोजन इकोनोमी, एल्गोडिट्च, या एल्गोरिदम, साइडक्रेस्टकोर, मिथ मेकिंग आदि है। जेन जेड युवा की समझ में अब प्रतिस्पर्धा का कोई महत्व ना होकर कोलोजन इकोनोमी यानी एक ही काम करने वाले प्रतिस्पर्धा के स्थान पर परस्पर सांठगांठ या समन्वय से कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान देने लगे हैं। सटीक परिणाम पर विश्वास रखने लगे हैं तो स्टेप वाइज आगे बढ़ने की रणनीति अपनाने लगे हैं। पंरपरागत सांस्कृतिक परंपराओं का आधुनिक नाइट लाइफ से सामंजस्य बिठाया जाने लगा है। सोच में बदलाव यहां तक देखा जा सकता है कि अब अकेला होना आत्मविश्वास का परिचायक माना जाने लगा है। जूमर्स आज कलम ढूंढने लगे हैं तो कम्प्यूटर पर अंगुलियां चलाने के साथ लिखने का भी महत्व समझने लगे हैं। आज भले डिजिटल मीडिया कितनी ही तेजी से बढ़ रहा हो पर प्रिन्ट मीडिया की विश्वसनीयता बढ़ी है और टीवी चौनलों की चकाचौंध से आज का युवा दूर हो रहा है। अखबारों की वापसी के संकेत मिल रहे हैं तो जूमर्स की पढ़ने-पढ़ाने की रुचि भी बढ़ने लगी है। पुस्तक मेलों में पाठकों की वापसी होने लगी है। यह कोई कहने की बात नहीं हैं अपितु सामने दिख रही है।

> **जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट प्लेटफार्म पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट में जेन जेड की जीवन शैली और सोच में बदलाव के यह संकेत उभर कर आये हैं। रिपोर्ट के अनुसार जूमर्स की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। अब सप्ताहांत ही नहीं बीच में भी घर से बाहर डिनर लेने, आपसी मेल-मिलाप, दो लोगों के साथ समय बिताने, अपने परिवेश से जुड़ने, डिजिटल दुनिया से बाहर आने की सोच बनती जा रही है।**

सामाजिक विरुपता को जूमर्स समझने लगे हैं और अब उनका प्रयास सामाजिक परिवेश से जुड़ने का होने लगा है। यह बदलाव का साफ संकेत हैं। टचिंग ग्रास की रिपोर्ट्स से सकारात्मक बदलाव का संकेत सामने आने लगा है और इससे यह लगने लगा है कि तकनीक और व्यावहारिक जगत एक-दूसरे के विरोधी ना होकर एक-दूसरे के पूरक हैं और तकनीक के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव शुभ संकेत माना जाना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ

-डॉ. प्रियंका सौरभ

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं।

स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है।

हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है।

भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं।

निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को मैनेज करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है।

विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बर्बादी है।

यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं।

यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। हर गली में विश्वविद्यालय जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे—जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं।

अब सुधार का समय है और यह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई क़ीमत न चुकानी पड़े।

आनंद का आनंद इसी संसार में

-हृदयनारायण दीक्षित

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मध्य पूर्व में युद्ध जारी है। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं।

हिन्दू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु, पक्षी, कीट-पतिंग भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है। लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है।

वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिन्दुत्व है। कोई अंधविश्वास नहीं। कोई जबरदस्ती नहीं। असहमत के प्रति भी आदर भाव है। हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं।

डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चन्द्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है। परन्तु यह सब बहुत दूर की सम्भावनाएं हैं; जबकि अधिक सम्भावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सबके आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यन्त्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें तो इसे आनंदमय बनाया जा सकता है।

हिन्दुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दुत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, मुलायम (साफ्ट) हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद- सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है। दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है। हिन्दू होना हिन्दुता या हिन्दुत्व है।

कुछ विद्वान हिन्दू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं लेकिन यह सही नहीं है। हिन्दू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ों वर्ष पुराना है। डेरियस (522-486 ई0पू0) के शिलालेख में भी हिन्दू शब्द का उल्लेख है। हिन्दू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का घोतक है।

डॉ. राधाकृष्णन ने वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में हिन्दू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे। उन्होंने 'धार्मिक आदर्शो की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा कि ''भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है।''

जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी। भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है। और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है। डॉ. राधाकृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है ''तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे। यह ठीक है, मुझे भली-भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षो तक मुझे वस्तुओं के सम्बन्ध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है। ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था। क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?'' औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है। युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है।

डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार ''तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सबकुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केन्द्रीभूत प्रश्नों के सम्बन्ध में बहुत कम जानता है।''

भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है। आनंदमय जीवन की अभिलाषा है। इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता है। यह संहिता हिन्दू धर्म है। इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधीजी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणा केन्द्र हिन्दुत्व है। संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है। भारत में यह सेकुलरवाद के रास्ते हिन्दू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है। अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है। अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है।

विज्ञान सत्य की खोज करता है। समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है। समाज इनका दुरूपयोग भी करता है। विश्व में पंथिक मजहबी मान्यताओं को लेकर तमाम युद्ध हुए हैं। हिन्दू दर्शन भी सत्य का शोध करता है। दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है। इसका ध्येय मनुष्य का दुख दूर करना है। हिन्दू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है।

समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है। विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवशयकता है। यह कार्य हिन्दुत्व के रास्ते अधिक संभव है। हिन्दुत्व लोकमंगल का पर्याय है।

भारत का जीवन ध्येय आनंद है। केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी। विवेकानंद ने कहा है, ''सभी देशों के निचले स्तर के मनुष्य इन्द्रियों के आनंद में उत्साह दिखाते हैं। किन्तु जो सच्चे अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत हैं, उनके आनंद का आधार विचार और कला होती है। दर्शन और विज्ञान होता है।'' सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते हैं। इन्द्रिय भोग का सुख निम्न तल है। ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है। कला का आनंद गहरा है लेकिन अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है।

उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरुआत में कहते हैं, ''सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।'' बताते हैं, ''मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हो। स्वस्थ हो। धन सम्पदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।'' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। कोई अंध आस्था नहीं। भाववाद नहीं। आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते अप्रैल में नहीं होंगे बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री

एजेंसी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति को देखते हुए अप्रैल में होने वाले बहरीन ग्रां प्री और सऊदी अरब ग्रां प्री आयोजित नहीं किए जाएंगे। गहन समीक्षा और चर्चा के बाद फॉर्मूला 1 ने यह फैसला लिया है। आयोजकों के अनुसार कई विकल्पों पर विचार किया गया, लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल के लिए किसी वैकल्पिक रेस को भी शेड्यूल में शामिल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही फॉर्मूला 2, फॉर्मूला 3 और एफ1 अकादमी के निर्धारित राउंड भी अपने तय समय पर आयोजित नहीं होंगे। यह निर्णय फेडरेशन इंटरनेशनल डी ल'ऑटोमोबाइल (एफआईए) और संबंधित प्रमोटर्स के साथ पूरी सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। फॉर्मूला 1 प्रमुख ने स्टेफनो डोमेनिकाली ने कहा कि यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए यह सही कदम है। उन्होंने कहा कि फॉर्मूला 1 आयोजकों और प्रमोटर्स के समर्थन के लिए आभारी है, जो हमेशा उत्साह और ऊर्जा के साथ रेस की मेजबानी के लिए तैयार रहते हैं। डोमेनिकाली ने उम्मीद जताई कि परिस्थितियां सामान्य होते ही फॉर्मूला 1 दोबारा इन स्थानों पर लौटेगा। एफआईए अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा कि एफआईए हमेशा अपने समुदाय और सहयोगियों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देता है।

राष्ट्रीय ओपन जंप्स प्रतियोगिता में मप्र के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। बेंगलुरु में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय ओपन जंप प्रतियोगिता में शनिवार को मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में हुई पुरुष पोल वॉल्ट स्पर्धा में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार ने 5.25 मीटर की शानदार छलांग लगाते कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई करने की उपलब्धि हासिल की। वहीं, अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आदित्य रघुवंशी ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.13 मीटर की शानदार छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। गौरतलब है कि वर्ष 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में आयोजित होंगे, जिसमें मप्र के इन खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। इन खिलाड़ियों की सफलता उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासित प्रशिक्षण और अकादमी द्वारा प्रदान की जा रही उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं का परिणाम है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में इस तरह का प्रदर्शन मध्य प्रदेश के खेल वातावरण और उभरती प्रतिभाओं की क्षमता को दर्शाता है।

पूर्व खिलाड़ियों को कोच और मेंटर बनाकर खेलों में वापस लाना चाहिए : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत को खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों को खेलों से जोड़कर कोच और मेंटर की भूमिका में लाना चाहिए। स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबिली संस्करण के दूसरे दिन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में खेल पत्रकारों को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि खेल कोटे से नौकरी पाने वाले कई खिलाड़ी आज कार्यालयों में काम कर रहे हैं, जबकि उनमें से कई खेलों में लौटकर कोच या मार्गदर्शक के रूप में अधिक बड़ा योगदान दे सकते हैं। यह सम्मेलन दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की मेजबानी में आयोजित किया गया। ठाकुर ने प्रतिभा को निखारने के लिए संगठित खिलाड़ी विकास प्रणाली और डेटा-आधारित निगरानी की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की पूरी यात्रा को ट्रैक करने के लिए डेटा का विश्लेषण करना चाहिए, ताकि प्रतिभा की शुरुआती पहचान हो सके और उन्हें सही समर्थन के साथ तैयार किया जा सके।' उन्होंने स्पोर्ट्स साइंस और रिहैबिलिटेशन सेंटर का प्रभावी उपयोग करने की जरूरत भी बताई। उन्होंने राज्य सरकारों से खेलों को मजबूत करने में अधिक भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि बेहतर परिणाम के लिए राज्यों को बजट बढ़ाना, बुनियादी ढांचा विकसित करना और अधिक कोच नियुक्त करना होगा। ठाकुर ने खेल प्रशासन में संस्थागत जवाबदेही की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि नीतियों और कार्यक्रमों की निरंतर समीक्षा और सुधार जरूरी है।

उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के अंडर-16 व 19 का इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अप्रैल से

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव और पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-16 व अंडर-19 आयु वर्ग का इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अप्रैल से आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा 16 मार्च को 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों का ट्रायल मॉडर्न पब्लिक स्कूल मुरादाबाद के मैदान पर आयोजित होगा। जिसमें जनपद मुरादाबाद, अमरोहा और संभल के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। विजय गुप्ता एडवोकेट ने आगे बताया कि डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा 17 मार्च को 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के ट्रायल होंगे।जिसमें जनपद मुरादाबाद, अमरोहा और संभाल के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। ट्रायल में वही खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे जिनके द्वारा उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की वेबसाइट से चालान डाउनलोड करने के बाद यूपीसीए द्वारा निर्धारित फीस जमा कर देंगे।

ईरान महिला फुटबॉल टीम की तीन सदस्यों का ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने से इनकार

एजेंसी

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के एक मंत्री ने स्थानीय समयानुसार बताया कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की ती सदस्यों ने अपना इरादा बदल लिया है। इनका ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए शरणार्थी वीजा स्वीकार किया जा चुका है।

बावजूद इसके उन्होंने अपने वतन लौटने का फैसला किया। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इनके जाने के बाद टीम की शुरुआती सात सदस्यों में से अब सिर्फ तीन सदस्य ही ऑस्ट्रेलिया में हैं। टोनी बर्क ने एक बयान में कहा, रात भर में ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन सदस्यों ने बाकी सदस्यों के साथ ईरान वापस जाने का फैसला किया।

उल्लेखनीय है कि ईरान की टीम पिछले महीने महिला एशियाई कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। इसके फौरन बाद 28 फरवरी को मध्य पूर्व में युद्ध शुरू हो गया। इसके बाद हुआ यह कि दो मार्च को दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरानी महिला खिलाड़ियों ने अपना राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इसे ईरान में चल रहे शासन-विरोधी प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा गया। ईरानी सरकारी मीडिया और वहां के उच्च अधिकारियों ने इन महिला खिलाड़ियों को युद्धकालीन देशद्रोही करार दिया। यह एक गंभीर आरोप है। इसके लिए ईरान में मौत की सजा तक का प्रावधान है। इन खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने टीम की कई सदस्यों को मानवीय वीजा प्रदान किया।

शुरुआत में सात सदस्यों (छह खिलाड़ी और एक स्टाफ) ने शरण स्वीकार की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने की अपील की थी। ईरानी फुटबॉल महासंघ ने ऑस्ट्रेलिया पर खिलाड़ियों को अगवा करने और उन्हें जबरन शरण लेने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

आईसीसी का कड़ा एक्शन : पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा को लगी फटकार, खाते में जुड़ा डिमेरिट पॉइंट

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान अपना आपा खोना पाकिस्तानी क्रिकेटर सलमान अली आगा को भारी पड़ गया है। आईसीसी (ICC) ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। ढाका में खेले गए मैच के दौरान सलमान आगा को बांग्लादेशी कप्तान मेहदी हसन मिराज ने रन आउट किया था। इस विवादित रन आउट को आगा ने 'खेल भावना के खिलाफ' माना। आउट होकर पवेलियन लौटते समय उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए हेलमेट और ग्लव्स सीमा रेखा (बाउंड्री) के पास फेंक दिए थे। अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघनः उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का दोषी पाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खेल सामग्री या उपकरणों के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित है। सजाः फटकार के साथ-साथ आगा के 'डिसिप्लिनरी रिकॉर्ड' में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है। स्वीकारोक्तिः मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सलमान ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माना कि उन्होंने यह कृत्य गुस्से में किया था।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप : इंग्लैंड ने फाइनल में भारत को 2-0 से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में दूसरे स्थान पर रही। शनिवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी हॉकी ग्राउंड में हुए फाइनल मुकाबले में टीम को इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की ओर से ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) और एलिजाबेथ नील (43वें मिनट) ने गोल किए। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम के लिए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, इस सेट पीस से उन्होंने जो ड्रैग फ्लिक लगाई, उसे इंग्लैंड की गोलकीपर ने रोक दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपने डिफेंस को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें जारी रखीं। हालांकि, पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने मैच में अपनी पकड़ मज़बूत कर ली और दो मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने अपनी ड्रैग फ्लिक से गोल किया और इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ में 8 बार सर्कल में घुसने के बावजूद भारत ने इंग्लैंड के डिफेंस को तो चुनौती दी, लेकिन वह इंग्लैंड की गोलकीपर को भेदने में नाकाम रहा। इसका फायदा उठाते हुए मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को बेहतरीन तरीके से पास किया और मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम का डिफेंस मजबूती से डटा

रहा। आखिरकार, एलिज़बेथ नील (43वें मिनट) की बदौलत उन्होंने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। इस मिडफील्डर का भाग्य भी उनके साथ था; उनका शॉट एक भारतीय डिफेंडर से टकराकर डिफ्लेक्ट हो गया और बिछू देवी को छकाते हुए गोल में जा समाया। इसके साथ ही, तीसरे क्वार्टर के अंत तक इंग्लैंड ने 2-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने मैच में वापसी करने की पूरी कोशिश की, लेकिन टीम एक भी गोल नहीं कर सकी।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 80 रन से हराया

एजेंसी

माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 80 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड महिला टीम ने टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम की कप्तान अमेलिया केर ने 44 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर ने 44 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। सोफी डिवाइन 12, ब्रुक हॉलिडे 13 और मैडी ग्रीन ने 10 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के लिए मसाबाटा कलास और नादिन डी क्लर्क ने दो-दो विकेट लिए। अयाबोंगा खाका और नॉनकुलुलेको म्लाबा ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज तजमिन ब्रिट्स ने 35 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 29 रनों की जुझारू पारी खेली। कायला रेनेके 18 गेंदों में चार चौकों के साथ 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। बाकी बल्लेबाज बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 80 रनों से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला

टीम की ओर से अनुभवी सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और चार विकेट लिए। वहीं जेस केर ने दो विकेट लिए। कप्तान अमेलिया केर को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दोनों देशों के बीच दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

जय शाह ने पाकिस्तान-बांग्लादेश ड्रामे पर तोड़ी चुप्पी, दोनों टीमों को दिखाया आइना

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले हुए विवाद पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। शाह ने कहा है कि कोई भी देश या टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। आईसीसी सभी सदस्य टीमों के सामूहिक प्रयास से चलता है। एक अवॉर्ड समारोह में जय शाह ने कहा, 'विश्व कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती, बल्कि सभी टीमों के साथ मिलकर ही संगठन चलता है।' जय शाह ने बताया कि इस विश्व कप ने दर्शकों के मामले में इतिहास रच दिया। कुल व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। एसोसिएट टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। यूएसए ने भारत को,

नीदरलैंड ने पाकिस्तान को और नेपाल ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। जिम्बाब्वे जैसी छोटी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। आईसीसी अध्यक्ष ने भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भविष्य के लिए लगातार मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टीम को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी करनी चाहिए। विश्व कप से पहले विवाद तब शुरू हुआ था, जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत आने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। पाकिस्तान ने इसके बाद बांग्लादेश के समर्थन में विश्व कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। पाकिस्तान का कहना था कि आईसीसी बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार कर रही है। पाकिस्तान ने पहले पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की बात कही, फिर भारत के साथ ग्रुप स्टेज का मुकाबला न खेलने की बात कही। आईसीसी की मध्यस्थता और बांग्लादेश पर किसी तरह का बैन न लगाए जाने के वादे के बाद पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और भारत के खिलाफ मैच खेला। पाकिस्तान सुपर-8 से आगे नहीं बढ़ सकी, जबकि भारतीय टीम ने लगातार दूसरा टी20 विश्व कप जीता।

जसपाल सिंह के तूफानी शतक से डाक्टर लूथरा इलेवन की शानदार जीत

एजेंसी

चंडीगढ़। टास जीतकर पहले बल्लेबाज़ी के लिए उतरे दोनों ओपनर, डाक्टर लूथरा (41 रन) व जसपाल सिंह (172 * रन नाबाद, 36 चोकों से सुसज्जित, - 78 बालों में) ने पहली विकेट के लिए 93 रन जोड़कर एक सशक्त नींव रखी। तीसरे और चौथे नंबर पर आए हरविंदर नैन (8) और सिकंदर राणा (4 रन) शीघ्र पविलियन लौट गए। बाद में प्रियांशू ने 22 रन का योगदान दिया और टीम के स्कोर को 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर पहाड़नुमा 259 रन तक पहुंचा दिया। हरियाणा लायंस के प्रतीक, सुमित, नातिक और योगेश ने 1-1 बल्लेबाज़ को आउट किया। विशाल स्कोर का दबाव हरियाणा लायंस के बल्लेबाज नहीं संभाल सके और पूरी टीम 19.3 ओवर में 167 रन पर आल आऊट हो गई। योगेश ने 47 , नातिक ने 28 और नरेंद्र ने 25 रन का योगदान दिया। डाक्टर लूथरा इलैवन के सिकंदर राणा ने 3, हरविंदर नैन और मुकुल ने 2-2 विकेट चटकाए। जबकि 1-1 विकेट प्रियांशू और चेतन शर्मा को हासिल हुआ। जसपाल सिंह को उनके तूफ़ानी शतक के एवज प्लेयर ऑफ द मैच के ख़िताब से सम्मानित किया गया।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर में 31 मार्च को हांगकांग से भिड़ेगा भारत, कोच्चि में होगा मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम एएफसी एशियन कप सऊदी अरब-2027 क्वालीफायर के अपने अंतिम मुकाबले में 31 मार्च को हांगकांग चीन पुरुष फुटबॉल टीम का सामना करेगी। यह मैच केरल के कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा। यह मुकाबला इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि लगभग दस साल बाद कोच्चि का यह स्टेडियम भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम की मेजबानी करेगा। इससे पहले मार्च 2016 में भारत ने इसी मैदान पर तुर्कमेनिस्तान पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर का मुकाबला खेला

था। वह आखिरी मौका था जब भारतीय सीनियर टीम ने केरल में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है, लेकिन टीम अपने अभियान का समापन जीत के साथ करना चाहेगी। यह मुकाबला भले ही क्वालीफिकेशन के लिहाज से औपचारिक रह गया हो, क्योंकि हांगकांग भी बाहर हो चुका है, लेकिन इसमें मिलने वाले फीफा रैंकिंग अंक दोनों टीमों के लिए काफी अहम होंगे। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर के फाइनल राउंड में यह भारत का तीसरा अलग घरेलू मैदान होगा। इससे पहले मार्च में शिलांग में भारत ने बांग्लादेश पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ मुकाबला खेला था, जबकि अक्टूबर में मडगांव में सिंगापुर पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ मैच आयोजित किया गया था।

अब कोच्चि में होने वाला यह मुकाबला भारतीय टीम के अभियान का आखिरी मैच होगा, जहां टीम जीत के साथ अपने क्वालीफायर अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगी।

आर्सेनल के मैक्स डॉवमैन प्रीमियर लीग में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

एजेंसी

लंदन (यूके)। आर्सेनल के युवा विंगर मैक्स डॉवमैन ने प्रीमियर लीग में इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शनिवार को एवर्टन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्सेनल की 2-0 की जीत के दौरान डॉवमैन ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 16 साल और 73 दिन की उम्र में गोल करने वाले डॉवमैन ने एवर्टन के पूर्व स्ट्राइकर जेम्स वॉन का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वॉन ने 2005 में क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ खेलते हुए 16 साल और 270 दिन की उम्र में गोल किया था। अब डॉवमैन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मुकाबले के अंतिम क्षणों में आया यह गोल आर्सेनल की जीत को पक्का करने वाला साबित हुआ। इस जीत के

साथ टीम ने लीग तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। युवा खिलाड़ी के इस प्रदर्शन से क्लब के खिलाड़ी, स्टाफ और दर्शक सभी बेहद उत्साहित नजर आए। मैच के बाद आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने डॉवमैन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह क्लब और खिलाड़ी दोनों के लिए बेहद खास पल है। आर्टेटा ने कहा, 'यह एक शानदार क्षण था। सभी खिलाड़ी और दर्शक खुशी से झूम रहे थे। यह एक खूबसूरत दिन है। इतनी कम उम्र में, इतने दबाव और उम्मीदों के बीच इस तरह का प्रदर्शन करना आसान नहीं होता।' जब आर्टेटा से पूछा गया कि मैदान पर भेजने से पहले उन्होंने डॉवमैन से क्या कहा था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने उससे कहा था कि जाओ, अपना खेल खेलो और हमें मैच जिताओ।' डॉवममैन का यह गोल न केवल उनके करियर की शानदार शुरुआत माना जा रहा है, बल्कि आर्सेनल के लिए भी भविष्य की बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह का आत्मविश्वास और प्रदर्शन उन्हें आने वाले समय में प्रीमियर लीग का बड़ा सितारा बना सकता है।

यूपी स्टेट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी सम्मानित

एजेंसी

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ एवं प्रदेशीय एथलेटिक्स संघ के समन्वय से अयोध्या में आयोजित हुई 7वीं यूपी स्टेट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मुरादाबाद के कौशल कुमार एवं अतुल कुमार ने 400 मीटर में स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस सफलता पर रामगंगा विहार स्थित नेता जी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्मानित किया गया। उप्र ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने बताया कि दोनों खिलाड़ी उड़ीसा में 24 व 25 मार्च आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इससे पूर्व आज सुबह कौशल कुमार एवं अतुल कुमार के सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आने पर उप्र ओलम्पिक संघ की ओर से मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सरिता सिंह, अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी, (एथलेटिक्स) ललिता चौहान, प्रशिक्षिका एथलेटिक्स, राम कृपाल प्रधान सहायक, राहुल मैसी उपस्थित रहें। इसके साथ ही दोनों ही खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर मेडल जीतने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी गई।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

हैदराबाद। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अंतरराष्ट्रीय करियर में 150 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। सलीमा ने यह उपलब्धि हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड महिला हॉकी टीम के खिलाफ खेलते हुए हासिल की। यह मैच हैदराबाद के जी.एम.सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेला गया।झारखंड में जन्मी 25 वर्षीय मिडफील्डर सलीमा टेटे अपनी तेज रफ्तार और मैदान पर अथक मेहनत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने नवंबर 2016 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। तब से वह राष्ट्रीय टीम की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक बन चुकी हैं और अब तक 16 अंतरराष्ट्रीय गोल भी कर चुकी हैं।

सलीमा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में ओलंपियन का दर्जा हासिल किया, जब वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद उनके करियर में लगातार उन्नति देखने को मिली। 2022 में मस्कट में

आयोजित महिला एशिया कप में उन्हें 'राइजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार मिला, जहां भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया था। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जहां टीम चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उनका अहम गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

सलीमा भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने 2022 में स्पेन में आयोजित FIH महिला नेशंस कप जीता और 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किया। उसी वर्ष रांची में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने सात मैचों में पांच गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुनी गईं। साल 2024 में उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बनाया गया। उनकी अगुआई में भारत ने बिहार में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में स्वर्ण पदक जीता और 2025 के महिला एशिया कप में रजत पदक हासिल किया।

उनके शानदार प्रदर्शन को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2021 में उन्हें 'हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवॉर्ड' से नवाजा गया, जबकि 2023 में उन्हें 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला। 2024 में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सलीमा की प्रतिभा, निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है।

वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि सलीमा हाल के वर्षों में भारतीय महिला हॉकी की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं और भविष्य में उनसे और कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

बेंगलूरू, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर में कार्यस्थल साज-सज्जा की लागत एशिया प्रशांत क्षेत्र में सबसे आकर्षक : नाइट फ्रैंक

एजेंसी
मुंबई। अचल संम्पत्ति बाजार की वैश्विक परामर्श सेवा फर्म नाइट फ्रैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार बेंगलूरू, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर औसत स्तर की कार्यस्थल साज-सज्जा की लागत के मामले में एशिया प्रशांत क्षेत्र में सबसे कम लागत वाले शहर है। नाइट फ्रैंक की फिट-आउट (खाली कक्ष को कार्यस्थल के रूप में सज्जित करने) की लागत पर जारी की जाने वाली शनिवार को जारी ताजा रिपोर्ट -एशिया-पैसिफिक फिट-आउट कॉस्ट गाइड- 2026 के अनुसार, भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सबसे किफायती ऑफिस फिट-आउट बाजारों में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार बेंगलूरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में औसत स्तर के ऑफिस इंटीरियर की औसत लागत 449 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ग मीटर है। इन शहरों में कामचलाऊ फर्निशिंग की लागत 264 डॉलर प्रति वर्ग मीटर तथा उच्च और प्रीमियम फिटिंग की लागत 838 वर्ग मीटर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की प्रतिस्पर्धी श्रम लागत, ठेकेदारी की स्थापित व्यवस्थाएं और घरेलू सोर्सिंग क्षमता कार्यस्थल निर्माण की लागत को क्षेत्र के कई अन्य बाजारों की तुलना में काफी कम बनाए रखती है। नाइट फ्रैंक के अनुसार इस तरह की मजबूती से भारत तकनीकी संचालन और ग्लोबल कैपिसिटी सेंटर (जीसीसी) के विस्तार में लगी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए और आकर्षक बन जाता है।

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट से खरीदारों को मिली राहत

नई दिल्ली। भारतीय सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमतों में मामूली नरमी देखी गई है, जो निवेश की योजना बना रहे परिवारों के लिए राहत भरी खबर है। 24 कैरेट शुद्ध सोने के दाम में आज फीसदी 1 की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद भाव फीसदी 16,068 प्रति ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत भी गिरकर फीसदी 14,729 प्रति ग्राम पर पहुँच गई है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और घरेलू मांग के बीच कीमतों में आया यह ठहराव शादियों के सीजन के लिए खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। चांदी की खरीदारी करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहा है। कल के मुकाबले चांदी की कीमत में फीसदी 100 प्रति किलोग्राम की कमी दर्ज की गई है, जिससे अब एक किलो चांदी का भाव फीसदी2,79,800 के स्तर पर आ गया है। गौरतलब है कि मार्च के महीने में अब तक चांदी की कीमतों में कुल 5.15फीसदी की गिरावट देखी जा चुकी है। कीमतों में आई यह कमी उन निवेशकों के लिए एक बड़ा मौका है जो चांदी को लंबी अवधि के सुरक्षित निवेश के रूप में देखते हैं। देश के प्रमुख शहरों की बात करें तो चेन्नई में सोने के दाम फीसदी 16,255 प्रति ग्राम के साथ सबसे ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। इसके विपरीत, मुंबई, दिल्ली और कोलकाता में भाव फीसदी16,068 के आसपास स्थिर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में देखें तो दुबई में सोना फीसदी15,282 प्रति ग्राम पर मिल रहा है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने दिया लग्जरी कार प्रेमियों को बड़ा झटका, 1 अप्रैल से पूरी रेंज की कीमतों में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का एलान

नई दिल्ली। लग्जरी कार बनाने वाली दिग्गज कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भारतीय बाजार में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि 1 अप्रैल, 2026 से उसके पूरे वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। यह वृद्धि भारत में असेंबल होने वाले मॉडल्स से लेकर पूरी तरह आयातित (CBU) लग्जरी गाड़ियों तक, सभी पर लागू होगी। कंपनी का कहना है कि व्यवसाय की स्थिरता बनाए रखने के लिए यह मूल्य सुधार अब अनिवार्य हो गया है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग उपाध्यक्ष, ब्रेंडन सिसिंग ने स्पष्ट किया कि विदेशी मुद्रा विनिमय दरों (Fore&) में उतार-चढ़ाव इस फैसले की मुख्य वजह है। विशेष रूप से यूरो के मुकाबले भारतीय रुपये के मूल्य में आई गिरावट और कच्चे माल की बढ़ती इनपुट लागत ने कंपनी की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है। हालांकि कंपनी ने लंबे समय तक इस बोझ को खुद उठाने की कोशिश की, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए अब इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

तम्बाकू किसान देवेगौड़ा के साथ मिले वाणिज्य मंत्री गोयल से

नई दिल्ली। कर्नाटक के तम्बाकू की खेती करने वाले लोगों के प्रतिनिधियों ने राजधानी में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। श्री गोयल ने यह जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, 'मुझे पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा जी से मिलकर खुशी हुई। उनकी उपस्थिति में मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी जी और कर्नाटक के तंबाकू उगाने वाले क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक हुई। ' श्री गोयल ने बताया कि बैठक में निर्यात बढ़ाने, वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं की तलाश करने, तथा किसानों की आय के स्रोतों और आजीविका को मजबूत करने के मुद्दों पर चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्रालय फ्ल्यू क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू के उत्पादन, नियमन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तंबाकू बोर्ड के माध्यम से काम करता है।

जी. किशन रेड्डी ने डब्ल्यूसीएल में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नागपुर में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) की अपनी दो-दिवसीय यात्रा के दौरान कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी।

कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को डब्ल्यूसीएल की यात्रा के दौरान वर्चुअल माध्यम से महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने डब्ल्यूसीएल की एक समीक्षा बैठक का संचालन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, पर्यावरणीय पहलों को बढ़ावा देना और खनन कार्यों का आधुनिकीकरण करना है। मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय

मंत्री ने आभासी माध्यम से 25 इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेड्डी ने नागपुर के कामठी क्षेत्र में 'ब्लैक डायमंड स्पोर्ट्स स्टेडियम', वानी क्षेत्र के ताडाली में 'स्वामी विवेकानंद इको पार्क' और बल्लारपुर क्षेत्र के सास्ती ओपन कास्ट खदान में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजना की आधारशिला भी आभासी रूप से रखी। ये परियोजनाएं क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यावरण संरक्षण और खनन कार्यों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देंगी। रेड्डी ने इस दौरान कोयला उत्पादन, सुरक्षा, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की परियोजनाओं से संबंधित डब्ल्यूसीएल के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में रेड्डी ने टीम डब्ल्यूसीएल की कार्य संस्कृति और प्रदर्शन की सराहना करते हुए चालू वित्त वर्ष में बेहतर परिणामों की उम्मीद जताई। समीक्षा बैठक के दौरान डब्ल्यूसीएल के सीएमडी हरीश दुहान ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान डब्ल्यूसीएल की उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा, कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष बी. साईराम और कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड और डब्ल्यूसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कोयला मंत्री आज मुरपार भूमिगत खदान का दौरा करेंगे और चल रही खदान बंद करने की प्रक्रिया का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे जिला कलेक्टर और खदान बंद करने संबंधी सलाहकार समिति के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में डब्ल्यूसीएल के खदान बंद करने संबंधी नोडल अधिकारी, गैर-सरकारी संगठन, सलाहकार और स्थानीय गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

स्थानीय व्यवसायियों को साल में 2,000 करोड़ रु. के वित्तीय लाभ उपलब्ध करायेः अमेज़न बिजनस

एजेंसी
बेंगलुरु। ई- कॉमर्स मंच अमेजन बिजनेस ने कहा है कि उसने वर्ष 2025 में भारत के उद्योग-व्यापार क्षेत्र की इकाइयों को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय लाभ के अवसर प्राप्त करने में मदद की है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसके साथ जुड़ कर छोटे उद्यमों से लेकर बड़ी कंपनियों तक को उसके मंच पर कैशबैक रिवॉर्ड्स, बल्क डिस्काउंट्स और खास सौदों के जरिए फायदा मिला। उसका कहना है कि इन इकाइयों को इस मूल्य का एक बड़ा हिस्सा अमेजन बिजनेस पर मिलने वाली सीमलेस जीएसटी-कम्प्लायंट इनवॉइसिंग से भी मिला है। अमेजन बिजनेस के डायरेक्टर मित्रंजन भदुरी ने कहा, 'हर संगठन, चाहे वह किसी दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र का एक स्पेशलिटी रेस्टोरेंट हो या एक फॉर्च्यून 500 एंटरप्राइज , सभी कम संसाधनों से अधिक काम करना चाहते हैं। अमेजन बिजनेस समान रूप से चयन, प्रतिस्पर्धी कीमत और डिजिटल खरीद की सुविधा उपलब्ध करा कर उन्हें इसमें मदद करता है। 2025 में हमारे ग्राहकों द्वारा हासिल किए गए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लाभ हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि जब संगठन एक बेहतर ढांचा सुविधा तैयार कर पारदर्शी तरीके और ग्राहक उन्मुख रणनीति अपनाता है तो वास्तविक लाभ सामने आता है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उनके प्लेटफार्म के माध्यम से कुल बिक्री में 40 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से अधिक बढ़ोत्तरी हुई है।

जेएसडब्ल्यू स्टील मोजाम्बिक में कोकिंग कोयला खदान करेगी विकसित

एजेंसी
नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की एकीकृत इस्पात निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में कोयले की एक खदान (मिनास डी रेवुबोए) को विकसित करने जा रही है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

कंपनी के बयान के अनुसार यह काम अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। यह खदान मोजाम्बिक के टेते प्रांत के मोआटाइज कोयला क्षेत्र में स्थित है। इस खदान में कुल 85 करोड़ टन कोयले का भंडार है, जिसमें से 25 करोड़ टन कोकिंग कोल निकल सकता है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि वह इस खदान को कई चरणों में विकसित करेगी। पहले चरण का विकास अगले लगभग ढाई साल में पूरा करने की योजना है। इसके बाद खदान से हर साल करीब 24 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले का उत्पादन किया जा सकेगा।

यह परियोजना कंपनी की उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत वह इस्पात बनाने के लिए जरूरी कच्चे तक स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले के भंडार बहुत कम हैं। इसलिए

माल की व्यवस्था खुद करना चाहती है। इससे इस्पात विनिर्माण में उपयोग होने वाले सबसे महत्वपूर्ण और महंगे कच्चे माल में से एक की लंबे समय भारतीय इस्पात कंपनियों के लिए विदेशों में अपनी खदानों के माध्यम से कोयले की व्यवस्था करना जरूरी हो गया है।

हरियाणा में एक अप्रैल से 416 खरीद केंद्रों पर शुरू होगी गेहूं खरीद

एजेंसी
चंडीगढ़। प्रदेश में पहली अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होगी। नायब सरकार ने मंडियों में फसल बिक्री में होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। मंडियों में गेट पर वाहन रजिस्ट्रेशन के साथ फोटो कैप्चर होगी। खरीद प्रक्रिया के सभी चरण, जिनमें गेट पास, बोली, जे-फार्म, आई-फार्म मंडी पर ही जारी होंगे।

सरकार की ओर से 416 खरीद केंद्रों पर गेहूं खरीद का फैसला लिया है। फूड सप्लाई, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउसिंग की ओर गेहूं की खरीद की जाएगी, जिसके दिन निर्धारित किए गए हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से मंडियों में खरीद के लिए एजेंसियों का आवंटन कर दिया गया है। वहीं, खरीद शुरू होने से पहले मंडियों में साफ-सफाई के साथ मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खाद्यान्नों की खरीद प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ करने हेतु वर्तमान में कार्यरत ई-खरीद पोर्टल वाहनों के बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के आवक गेट पास जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंडियों/खरीद केंद्रों को जियो फैंस किया गया है जिसके अंतर्गत खरीद प्रक्रिया के सभी चरण जैसे कि

को अपग्रेड किया गया है जिसके अंतर्गत कई नए प्रावधान किए गए हैं। रबी खरीद सीजन 2026-27 के दौरान मंडियों/ खरीद केंद्रों में किसान द्वारा बिक्री हेतु ले जाने वाली गेहूं में प्रयोग किये जाने वाले वाहन पर आवक गेट की रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ फोटो कैप्चर किया जाएगा। आवक गेट पास, बोली, आई - फार्म, इत्यादि मंडी/खरीद केंद्र स्थल पर ही जारी होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के किसानों के हितों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसानों को अपनी उपज की बिक्री में राज्य सरकार किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी।

करदाताओं को भेजे गए अग्रिम टैक्स रिमाइंडर ईमेल में गड़बड़ी, आयकर विभाग ने जारी किया स्पष्टीकरण

एजेंसी
नई दिल्ली। आयकर विभाग ने करदाताओं से आकलन वर्ष 2026-27 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए ईमेल संदेशों के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है। विभाग ने करदाताओं से त्रुटिपूर्ण ईमेल को नजरअंदाज करने की अपील की है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि उसे करदाताओं से गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने की शिकायतें प्राप्त हुई है। विभाग ने इस मुद्दे को ध्यान में लाने के लिए करदाताओं का धन्यवाद किया और असुविधा के लिए माफी मांगी है। आयकर ने बताया कि संचार प्रणाली के लिए जिम्मेदार सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सुलझाया जा रहा है। आयकर विभाग ने इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी करते हुए करदाताओं से इन ईमेल को फिलहाल नजरअंदाज करने की अपील की है। विभाग ने स्वीकार किया है कि अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए कुछ ईमेल में महत्वपूर्ण लेन-देन से संबंधित

गलत विवरण थे। दरअसल यह समस्या आकलन वर्ष 2026-27 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए भेजे गए ईमेल में सामने आई है। विभाग ने करदाताओं को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

विभाग ने करदाताओं से अनुरोध किया है कि वे पहले भेजे गए त्रुटिपूर्ण ईमेल को अनदेखा करें। विभाग ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे अपनी लेन-देन की जानकारी की पुष्टि आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध अनुपालन पोर्टल के 'ई-अभियान' टैब के जरिए करें। ये संचार केवल करदाताओं को उनकी वित्तीय जानकारी की समीक्षा करने और अग्रिम कर का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करते हैं। विभाग ने इस प्रक्रिया में करदाताओं से सहयोग की अपेक्षा की है।

उल्लेखनीय है कि पिछले एक-दो दिनों से कई करदाताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को आयकर विभाग की ओर से 'नज' ईमेल भेजे जा रहे थे।

विभाग के इन ईमेल में यह कहा गया था कि करदाता द्वारा किया गया एडवांस टैक्स भुगतान उनके वित्तीय लेन-देन से मेल नहीं खाता है। इसके साथ ही ईमेल में उस साल के दौरान किए गए कुछ 'महत्वपूर्ण ट्रांजैक्शन' का भी जिक्र किया गया था। इसके बाद आयकर विभाग ने स्पष्टीकरण जारी किया है।

गति-स्थिरता के बीच संतुलन बिठाने, संकट में धैर्य रखने की सेबी प्रमुख की सलाह

एजेंसी
मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने बदलते परिवेश में बाजारों में गति और स्थिरता में संतुलन को सुनिश्चित करने की जरूरत को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पूंजी बाजारों के विस्तार और मजबूती के साथ इनके काम का परिवेश बदल गया है क्योंकि वैश्विक घटनाओं से इनका जुड़ाव बढ़ा है।

श्री पांडे यहां एक मीडिया हाउस के संवाद कार्यक्रम के एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दक्षता वित्तीय प्रणाली में भरोसे की नींव है। इसके बिना पूंजी आगे बढ़ने में हिचकिचाती है। उन्होंने पश्चिम एशिया संकट से बाजारों में गिरावट के इस दौर में खुदरा निवेशकों को धैर्य रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों में गहराई आ रही है और इनमें विविधता आ रही है तथा बाजार पहले से अधिक मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन बाजारों के विस्तार और इनमें जटिलताएं बढ़ने के साथ वैश्विक घटनाओं से इनका जुड़ाव भी बढ़ रहा है और इससे ' हमें उस बदलते परिदृश्य का सामना करना पड़ता है जिसमें आज के बाजार काम कर रहे हैं। ' उन्होंने कहा कि अनिश्चित दुनिया में कुशल पूंजी बाजार स्थिरता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और 'ये हमें पारदर्शी तरीके से मूल्य का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं, व्यापक वित्तीय प्रणाली को अस्थिर किए बिना झटकों को सहने में मदद करते हैं। और शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये निवेशकों का विश्वास बनाए रखते हैं।' उन्होंने कहा कि कुशल बाजार 'दक्षता वित्तीय प्रणाली में भरोसे की नींव है। इसके बिना पूंजी आगे बढ़ने में हिचकिचाती है।' उन्होंने कहा कि बाजार पर वैश्विक घटनाओं के त्वरित प्रभाव और सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी आधारित कारोबार के बीच नीति नियामकों के समक्ष चुनौती गति और स्थिरता में संतुलन सुनिश्चित करने की है।

सरकार ने पीएनजी उपयोगकर्ताओं के एलपीजी सिलेंडर रखने पर लगाई रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का कनेक्शन रखने वाले वाले परिवारों पर सब्सिडी वाला लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) कनेक्शन रखने या लेने पर रोक लगा दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 14 मार्च को जारी एक अधिसूचना में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण नियमन) आदेश-2000 में बदलाव किया है। इसके तहत अब पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के लिए अपने घरेलू एलपीजी कनेक्शन को 'सरेंडर' करना जरूरी हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अब संशोधित आदेश के तहत पीएनजी कनेक्शन रखने वाले

उपभोक्ताओं को खाली एलपीजी सिलेंडर के बदले भरा हुआ रसोई गैस सिलेंडर नहीं देंगी। इसका मकसद उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देना है, जिनके पास पाइप के जरिये गैस की आपूर्ति की सुविधा नहीं है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में संकट के चलते क्षेत्र के नियामक ने शहर गैस वितरण कंपनियों से अपने पीएनजी ढांचे का विस्तार तेजी से करने को कहा है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति पर दबाव को कम किया जा सके। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने शहर गैस वितरण कंपनियों से घरों को घरेलू पीएनजी कनेक्शन देने के काम में तेजी लाने और उन इलाकों में उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने को कहा है जहां पाइपलाइन का ढांचा पहले ही बिछाया जा चुका है। भारत अपनी लगभग 88 फीसदी कच्चे तेल, 50 फीसदी प्राकृतिक गैस और 60 फीसदी एलपीजी की जरूरत को आयात से पूरा करता है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले और जवाबी ईरानी कार्रवाई से पहले भारत का आधे से अधिक कच्चे तेल का आयात, लगभग 30 फीसदी गैस और 85-90 फीसदी एलपीजी का आयात सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता था।

आरबीआई ने मनाप्पुरम फाइनेंस पर लगाया 2.70 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी
मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कुछ नियामकीय नियमों का पालन न करने की कमियों के लिए ये कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि निर्देशों का पालन न करने और उससे जुड़े पत्राचार की जांच के नतीजों के आधार पर कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में कंपनी से पूछा गया कि उसने निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया और इस असफलता के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब और मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने पाया कि मनाप्पुरम फाइनेंस ने कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को पूरा वेरिएबल वेतन बिना किसी देरी के पहले ही दे दिया था।

हालांकि आरबीआई ने यह भी कहा कि यह जुर्माना नियामकीय नियमों के पालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर कोई फैसला देना नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मौद्रिक जुर्माना लगाने का मतलब यह नहीं है कि रिजर्व बैंक कंपनी के खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई नहीं कर सकता।

चावल, गेहूं नरम; चीनी में साप्ताहिक तेजी; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देख गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,782 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 25 रुपये सस्ता होकर 2,794 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव 10 रुपये गिरकर 3,301 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दालों की कीमत में घट-बढ़ रही। सप्ताह के दौरान चना दाल औसतन 24 रुपये और मसूर दाल 16 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, उड़द दाल की कीमत 36 रुपये और तुअर दाल की 11 रुपये बढ़ गयी। मूंग दाल आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। सूरजमुखी तेल 360 रुपये और पाम ऑयल 332 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 267 रुपये और सोया तेल की 119 रुपये बढ़ गयी। वनस्पति भी 26 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में सप्ताह गुड़ के औसत भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल घट गये। दूसरी तरफ चीनी 22 रुपये महंगी हुई।

कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई शुरू, पैनिक बुकिंग से बचेंः पेट्रोलियम मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देशभर में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई शुरू कर दी गई है। वहीं, घरेलू रसोई गैस की सप्लाई में भी तेजी से सुधार हो रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई शुरू कर दी गई है। देश में एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है। इसके पर्याप्त भंडार मौजूद है, लेकिन लोग अभी भी बड़े पैमाने पर पैनिक बुकिंग कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि पैनिक बुकिंग से बचें। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 'शिवालिक' और 'नंदा' नाम के हमारे एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं।

शर्मा ने कहा, कमर्शियल गैस सिलेंडरों के बारे में काफी चर्चा हुई है उसके बाद निर्णय यह लिया गया कि व्यावसायिक उपभोक्ता को कुछ एलपीजी दी जाए। इस संबंध में राज्य सरकार से भी बात हुई है...और 29 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यावसायिक सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है और वो ग्राहक को मिल रहे है...। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) ने कहा, जहां तक कच्चे तेल और रिफाइनरियों का सवाल है, हमारे पास कच्चे तेल की पर्याप्त आपूर्ति है, और हमारी रिफाइनरी भी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। खुदरा दुकानों पर स्टॉक खत्म होने की कोई भी घटना सामने नहीं आई है। पेट्रोल-डीजल भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं।

सुजाता शर्मा ने कहा कि हम अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू स्तर पर पर्याप्त पेट्रोल और डीजल का उत्पादन करते हैं, इसलिए हमें आयात करने की कोई ज़रूरत नहीं है। जहां तक प्राकृतिक गैस का सवाल है कल मैंने आपका ध्यान सरकार के इस उद्देश्य की ओर दिलाया था जहां भी व्यावसायिक उपभोक्ताओं को अपनी एलपीजी की आपूर्ति में कठिनाइयों या रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें पीएनजी के कनेक्शनों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए गैस अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने विभिन्न सीजीडी ऑपरेटरों के साथ एक बैठक की और उन्हें सलाह दी कि जहां भी संभव हो, सभी पात्र व्यावसायिक उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी सप्लाई के बारे में मुझे यह कहना होगा कि मौजूदा भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए यह हमारे लिए चिंता का विषय बना हुआ है, हालांकि अब तक स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा, मैं एक खास बात पर फिर से जोर देना चाहूंगी कि पैनिक बुकिंग करने के मामले अभी भी बहुत ज्यादा आ रहे हैं। जो आंकड़ा मैंने शुक्रवार यानी कल आपके साथ हमने शेयर किया था, वो लगभग 75 से 76 लाख बुकिंग बताया था। वह अब बढ़कर लगभग 88 लाख हो गया है, ये पैनिक बुकिंग है तो मेरी अपील है कि पैनिक बुकिंग से बचें और जब जरूरत हो तब बुकिंग करें... ।

बलोचिस्तान में पुलिस पर हमले, कहीं हथियार छीने, कहीं वाहन फूंके

एजेंसी

लंदन/वाशिंगटन।

क्वेटा। बलोचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में सशस्त्र समूहों ने पुलिस बलों को निशाना बनाया है। तुरबत में चोगन कुंड के पास हथियारबंद लोगों ने पुलिस दल को निशाना बनाया और डीएसपी के आधिकारिक वाहन को हथियारों सहित छीन कर फरार हो गए। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में इन घटनाओं का जिक्र किया गया है। चोगन कुंड की घटना के बाद ईशा की नमाज के समय तुरबत हवाई अड्डे के पास एक जोरदार धमाका सुना गया। हालांकि, धमाके की प्रकृति और इसके संभावित प्रभावों के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। इसी बीच, चागाई जिले के पदाग इलाके में मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद लोगों ने एक पुलिस चौकी पर हमला किया। हमलावरों ने एक पुलिस वैन और एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी और हथियार लूट लिए। इन घटनाओं की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है।

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल तीन दिनों के नेपाल भ्रमण पर

काठमांडू। अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वोवेल काठमांडू पहुंचे । नेपाली सेना और नेपाल स्थित अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने उनका त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर स्वागत किया। लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल के नेतृत्व वाला दल तीन दिन की यात्रा के लिए काठमांडू पहुंचा है। इस दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। जनरल वावेल अमेरिकी सेना के इंडो पैसिफिक कमांड के डिप्टी कमांडिंग जनरल हैं। इससे पहले वो इंडो पैसिफिक कमांड के स्ट्रैटेजिक प्लानिंग एंड पॉलिसी के डिप्टी डायरेक्टर भी रह चुके हैं। बैठक में द्विपक्षीय हितों और आपसी संबंधों से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। भ्रमण दल पांचखाल स्थित श्री वीरेन्द्र शांति कार्य प्रशिक्षण केंद्र का भी निरीक्षण करेगा। भूटान की यात्रा से पहले लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल ने भारत का दौरा किया था। उन्होंने गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी से मुलाकात की । पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के बाद नेपाल आने वाले वे अब तक के सबसे उच्च पदस्थ अमेरिकी सैन्य अधिकारी हैं। इससे पहले 13 फरवरी को अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के जनरल सैमुअल जे. पापारो भी नेपाल आए थे।

नेपाल के गोरखा जिले में बस हादसा, सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में हुए बस हादसे में सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। 14 तीर्थयात्री मनकामना मंदिर के दर्शन कर माइक्रो बस (बागमती प्रदेश 006 ब 8430) से लौट रहे थे। यह बस शहीद लखन गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गोरखा जिला पुलिस अधीक्षक भरत बहादुर के अनुसार बस में सवार 14 लोगों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें पांच महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। अन्य सात गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि बस सड़क किनारे लगभग 200 मीटर नीचे ढलान में गिर गई। वाहन में चालक और सह चालक को छोड़कर बाकी सभी यात्री भारतीय नागरिक थे। हादसे की सूचना मिलते ही गोरखा स्थित सशस्त्र पुलिस बल नेपाल की 29वीं बटालियन की बचाव टीम और जिला पुलिस कार्यालय गोरखा के पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। नेपाल पुलिस ने मृतकों की सूची जारी की है। इनमें से किसी के भी प्रदेश का जिक्र नहीं है। यह सूची इस प्रकार है- मुतु कुमार, 58 वर्ष, पुरुष, अनामलिका, 58 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 59 वर्ष, महिला, शिवगामी, 53 वर्ष, महिला, विजयाल, 57 वर्ष, पुरुष, मीणा, 58 वर्ष, महिला, तमिलारेशी 60 वर्ष, महिला। पुलिस का कहना है कि इनके दक्षिण भारतीय होने की संभावना है। भरतपुर मेडिकल अस्पताल में भर्ती घायल भारतीय नागरिकों की सूची इस प्रकार है- सोरनम, 62 वर्ष, पुरुष, मंगदा जलम, 65 वर्ष, महिला, सुभद्रा, 75 वर्ष, महिला, मायला, 65 वर्ष महिला, सरोजा, 73 वर्ष,महिला, भाग्यलक्ष्मी, 65 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 34 वर्ष, महिला।

पेंटागन ने इराक में रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटना में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान की

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन ने पश्चिमी इराक में ईरान के खिलाफ अभियान में हिस्सा ले रहे रीफ्यूलिंग विमान हादसे में मारे गए सभी छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान कर ली है। पेंटागन ने कहा कि इस हादसे की जांच अभी भी जारी है। सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट में पेंटागन के हवाले कहा कि इन छह सैनिकों की पहचान इस प्रकार है- (1) मेजर जॉन ए. क्लिनर (33) ऑबर्न, अलबामा (2) कैप्टन एरियाना जी. सैविनो (31) कोविंगटन, वाशिंगटन, (3) टेक. सार्जेंट एशले बी. प्रुइट (34) बार्डस्टाउन, केंटकी (4) कैप्टन सेथ आर. कोवल (38) मूर्सविले, इंडियाना, (5) कैप्टन कर्टिस जे. एंगस्ट (30) विलमिंगटन, ओहियो और (6) टेक. सार्जेंट टायलर एच. सिमंस (28) कोलंबस, ओहियो । पेंटागन ने कहा कि क्लिनर, सैविनो और प्रुइट फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फ़ोर्स बेस की 6वीं एयर रीफ्यूलिंग विंग और कोवल, एंगस्ट और सिमंस कोलंबस ओहियो में रिकेनबैकर एयर नेशनल गार्ड बेस की ।

ट्रंप ने ईरान के साथ डील को खारिज किया, ईरानी सुप्रीम मोजतबा के जिंदा होने पर जताया संदेह

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे तनाव को खत्म करने के लिए होने वाले समझौते से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि समझौते के लिए जो प्रस्ताव है, उसकी शर्तें काफी अच्छी नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने नव नियुक्त ईरानी सुप्रीम लीडर सैय्यद मोजतबा हुसैनी खामेनेई के जिंदा होने पर भी संदेह जताया है। शनिवार को एनबीसी न्यूज के साथ एक बड़े टेलीफोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, ट्रंप ने इस बात पर भी जोर दिया है कि जब तक युद्ध जारी है, वाशिंगटन सीजफायर समझौते में जल्दबाजी नहीं करेगा। इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'ईरान एक डील करना चाहता है और मैं इसे नहीं करना चाहता क्योंकि शर्तें अभी काफी अच्छी नहीं हैं।' जब पूछा गया कि संभावित एग्रीमेंट की शर्तों में क्या शामिल होगा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने ज्यादा जानकारी देने से मना कर दिया और कहा, 'मैं आपको यह नहीं बताना चाहता हूं।' हालांकि उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर महत्वाकांक्षाओं को छोड़ना किसी की भी पहली जरूरी प्राथमिकता होगी।ट्रंप ने इंटरव्यू के दौरान इस बात की भी पुष्टि की है कि अमेरिकी फोर्स ने ईरान के रणनीतिक ऑयल एक्सपोर्ट हब, खार्ग आइलैंड पर स्ट्राइक की थी। उन्होंने कहा, 'हमने खार्ग आइलैंड को पूरी तरह से तबाह कर दिया, लेकिन हम इस पर कुछ और बार हमला कर सकते हैं। सिवाय इसके मैंने एनर्जी लाइनों से जुड़ा कुछ नहीं किया, क्योंकि उसे फिर से बनाने में सालों लग जाते हैं।' इसके अलावा, ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के जीवित होने को लेकर भी शक जताया और कहा कि सत्ता संभालने के बाद से वह पब्लिक में नहीं दिखे हैं। ट्रंप ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वह जिंदा भी हैं या नहीं। अभी तक कोई उन्हें दिखा नहीं पाया है। मैं सुन रहा हूं कि वह जिंदा नहीं हैं और अगर हैं, तो उन्हें अपने देश के लिए कुछ बहुत स्मार्ट काम करना चाहिए और वह है सरेंडर करना।' ट्रंप ने भविष्य के लीडर के तौर पर किसी खास ईरानी हस्ती का नाम लेने से मना कर दिया और सिर्फ इतना कहा, 'हमारे पास ऐसे लोग हैं जो देश के भविष्य के लिए बेहतरीन नेता बन सकते हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ग्लोबल एनर्जी की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच रूस के तेल क्षेत्रों पर कुछ बैन को कुछ समय के लिए कम करने के अपने फैसले के बारे में भी बताया। ट्रंप ने कहा, 'मैं दुनिया के लिए तेल चाहता हूं। ये बैन, जो असल में 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगाए गए थे, संकट खत्म होते ही वापस चले जाएंगे।' यूक्रेन से लड़ाई में मदद की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर, ट्रंप ने कहा, 'हमें जिस आखिरी इंसान से मदद चाहिए।

ईरान युद्धः स्विट्जरलैंड ने अमेरिका को दिखाया 'नो-फ्लाई' ज़ोन, हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर लगाई रोक

एजेंसी

बर्न। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच, अपनी तटस्थता (Neutrality) के लिए प्रसिद्ध देश स्विट्जरलैंड ने अमेरिकी सेना को अपने हवाई क्षेत्र (Airspace) के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। स्विस सरकार ने अमेरिका द्वारा किए गए दो ओवरफ्लाइट अनुरोधों को खारिज कर दिया है। स्विस सरकार ने इस कड़े फैसले के पीछे अपने सदियों पुराने 'निष्पक्षता कानून' (Neutrality Law) को आधार बनाया है। सरकार द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गयाः 'स्विस कानून संघर्ष में शामिल पक्षों को ऐसी किसी भी उड़ान की अनुमति देने से रोकता है, जो सैन्य उद्देश्यों की पूर्ति करती हो या सीधे तौर पर युद्ध से जुड़ी हो।' हालांकि स्विट्जरलैंड ने पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया है, लेकिन उसने उड़ानों को श्रेणियों में बांट दिया हैः तीन विशेष उड़ानों को अनुमति दी गई है, जिनमें से एक तकनीकी रखरखाव (Maintenance) और दो सामान्य परिवहन (Transport) से संबंधित थीं। यह कदम दर्शाता है कि मध्य-पूर्व के इस युद्ध में वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक समीकरण बदल रहे हैं और यूरोपीय देश सीधे तौर पर सैन्य भागीदारी से बच रहे हैं।

ईरान के तेल क्षेत्रों पर हमला पड़ेगा भारी, स्थानीय अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों को बनाएंगे निशाना : सैयद अब्बास अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि ईरान के तेल और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी हमले से अमेरिकी कंपनियों से जुड़ी स्थानीय ठिकानों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई होगी। अमेरिकी ब्रॉडकास्टर एमएस नाउ को दिए एक इंटरव्यू में, अराघची ने शुक्रवार को ईरान के दक्षिणी रणनीतिक तेल टर्मिनल, खारग द्वीप पर हुए अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजरानी बाधित होती है तो वे द्वीप के तेल बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएंगे। अराघची ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाएं पहले ही कह चुकी हैं कि अगर हमारे तेल और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला होता है तो वे जवाबी कार्रवाई करेंगी। वे क्षेत्र में किसी भी ऊर्जा संयंत्र पर हमला करेंगी जो किसी अमेरिकी कंपनी के स्वामित्व में है या आंशिक रूप से उसके स्वामित्व में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि हुए अमेरिकी हमले संयुक्त अरब अमीरात के दो स्थानों से किए गए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान पर हमले के लिए घनी आबादी वाले क्षेत्रों का उपयोग करना बेहद खतरनाक है।

उन्होंने आगे कहा कि हम निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई करेंगे, लेकिन हम आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाने से बचने की कोशिश करते हैं। इस चेतावनी को दोहराते हुए, ईरान के प्रमुख सैन्य कमान, खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि ईरान के तेल, आर्थिक या ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर किसी भी हमले का जवाब अमेरिकी कंपनियों से जुड़े क्षेत्रीय ठिकानों पर तत्काल हमले के रूप में दिया जाएगा। प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फागरी ने आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी को बताया कि अमेरिकी हितों से जुड़े सभी तेल, आर्थिक और ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाएगा और राख के ढेर में बदल दिया जाएगा। अराघची ने कहा कि ईरान के दुश्मनों और उनके सहयोगियों के जहाजों को छोड़कर, होर्मुज जलडमरूमध्य जहाजों के लिए खुला है। हालांकि कुछ जहाज सुरक्षा चिंताओं के कारण जलमार्ग से बच रहे हैं, लेकिन कई टैंकर अभी भी वहां से गुजर रहे हैं। हमले के बावजूद, खारग द्वीप से तेल निर्यात निर्बाध रूप से जारी है। बुशहर प्रांत के उप राज्यपाल एहसान जहानियन ने अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी को बताया कि खारग पर सैन्य सुविधाओं और हवाई अड्डे को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है और कमर्शियल परिचालन जारी है।

कतर एयरवेज की दोहा काठमांडू विशेष उड़ान फिर शुरू होगी

एजेंसी

काठमांडू। मध्यपूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। इसी बीच कतर की राजधानी दोहा से काठमांडू तक उड़ान संचालन होने वाली है। कतर एयरवेज के अनुसार 16 और 17 मार्च को दोहा-काठमांडू उड़ान संचालित की जाएगी। इसी तरह 17 और 18 मार्च को काठमांडू-दोहा उड़ान का भी समय निर्धारित किया गया है। नेपाल से कतर जाने वाले या दोहा ट्रांजिट के माध्यम से अन्य देशों की यात्रा करने वाले यात्री इस उड़ान सुविधा का लाभ ले सकेंगे। कतर एयरवेज काठमांडू के अलावा नई दिल्ली, मुंबई, ढाका, बैंकॉक, इस्तांबुल, लंदन, पेरिस सहित एशिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए भी विशेष उड़ानें संचालित कर रही है। फिलहाल मध्यपूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण कुछ देशों ने हवाई मार्गों पर सतर्कता बढ़ा दी है और कई उड़ानों को रद्द या उनके मार्ग में बदलाव किया गया है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ान प्रबंधन में चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में दोहा-

काठमांडू हवाई संपर्क का जारी रहना सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। कतर का हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा दुनिया के कई देशों के लिए एक प्रमुख ट्रांजिट केंद्र है। वैदेशिक रोजगार में गए कई नेपाली नागरिक इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। विशेष रूप से मध्यपूर्व में कार्यरत नेपाली श्रमिकों, नेपाल लौटने वाले यात्रियों और विदेश जाने वाले विद्यार्थियों के लिए दोहा-काठमांडू उड़ान बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में उड़ान कार्यक्रम जारी रहने से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में सुविधा होने की उम्मीद है। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी उड़ान से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से नियमित रूप से अपडेट लेते रहें।

खामेनेई शासन के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से ईरानियों में जश्न, व्हाइट हाउस के बाहर निकाली रैली

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की कार्रवाई का कई लोग समर्थन कर रहे हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का समर्थन करने और ईरानी खामेनेई शासन का विरोध जताने के लिए लोगों ने व्हाइट हाउस के सामने रैली निकाली। कभी ईरान में रहने वाले इन प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी मीडिया सीएनएन को बताया कि वे ट्रंप के हमलों को 1979 से देश पर राज कर रहे इस्लामिक शासन को गिराने में मदद करने के एक मौके के तौर पर देखते हैं। रैली में शामिल साइरस कियान ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी के पहले 25 साल ईरान में बिताए; अगर ट्रंप 'आसमान से दबाव डालना' जारी रखते हैं, तो ईरानी लोग 'इस राज को खत्म कर देंगे।' ईरान पर उनकी अमेरिकी सरकार के हमलों के लिए प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने लाल रंग की हैट पहनी थी, जिस पर 'मेक ईरान ग्रेट अगेन'

लिखा था। प्रोटेस्ट के पीछे के संगठन, डीसी प्रोटेस्ट्स फॉर ईरान के वॉलंटियर रेजा मौसवी ने कहा, 'राष्ट्रपति ने कहा था कि मदद आ रही है। उन्होंने एक वादा किया था और वह उस पर कायम रहे।' मौजूदा ईरानी शासन को खत्म करने की मांग के अलावा, व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शनकारियों ने ईरान के आखिरी शाह के देश निकाला पाए बेटे रेजा पहलवी को देश का अगला नेता बनाने के लिए अपना समर्थन दिया। प्रदर्शन में शामिल एक वॉलंटियर मरजीह मिर्जासलेही ने कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारे शाह ईरान वापस आएं क्योंकि वे अकेले हैं जो ईरान को फिर से महान बनाने में मदद कर सकते हैं।' मरजीह ने 2007 में ईरान छोड़ दिया था। कई प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी-ईरानी झंडे और पोस्टर पकड़े हुए थे, जिनमें पहलवी को ट्रंप के साथ खड़ा दिखाया गया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने शनिवार को एक चेतावनी जारी की, जिसमें अमेरिका से कहा गया कि वह अमेरिकी इंडस्ट्रियल प्लांट्स को इलाके से हटा दे। इसके साथ ही आईआरजीसी ने आम लोगों से कहा है कि वे उन जगहों को खाली कर दें, जहां अमेरिकी शेयरहोल्डर हैं ताकि किसी भी खतरे या नुकसान से बचा जा सके। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पिछले दो दिनों में ईरानी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद इलाके में तनाव बढ़ता जा रहा है। ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान में गैर-सैन्य फैक्ट्रियों पर हुए हमलों में कई आम लोग मारे गए।

अमेरिका तनाव : युद्ध की आहट के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, 14 देशों से नागरिकों को लौटने का आदेश

एजेंसी

वाशिंगटन/बगदाद। मध्य-पूर्व में ईरान की ओर से अमेरिकी ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद स्थिति बेहद संवेदनशील हो गई है। अमेरिका ने एक बड़ी ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए क्षेत्र के 14 देशों में मौजूद अपने नागरिकों को तुरंत वहां से निकलने की अपील की है। मुख्य अपडेट : दूतावासों पर मंडराता खतरा इराक से तुरंत निकलने का आदेशः बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मिसाइल गिरने की घटना के बाद, अमेरिका ने अपने नागरिकों को 'तुरंत इराक छोड़ने' की चेतावनी दी है। आतंकवादी मिलिशिया का डरः दूतावास ने स्पष्ट किया है कि ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों से गंभीर

खतरा पैदा हो गया है, इसलिए वहां रुकने वाले नागरिक अपने फैसले पर दोबारा विचार करें।ओमान में भी अलर्ट : समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका ने ओमान से अपने नॉन-इमरजेंसी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है।अमेरिका ने मध्य-पूर्व के लगभग उन सभी 14 देशों में सुरक्षा अलर्ट जारी किया है जहां ईरान समर्थित समूहों की सक्रियता अधिक है या जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं।

होर्मुज स्ट्रेट खुला है, पर नियंत्रण हमारे पास है : आईआरजीएस कमांडर

एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट। ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया है कि दुनिया में तेल ले जाने का एक बहुत महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता होर्मुज स्ट्रेट अभी भी खुला है और उस पर ईरान का नियंत्रण बना हुआ है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के साथ तनाव बढ़ रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेज़ा तंगसीरी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका द्वारा किए जा रहे दावे सही नहीं हैं। अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की नौसेना को नष्ट कर दिया है और तेल के जहाजों को सुरक्षित रास्ता दे सकता है, लेकिन तंगसीरी के अनुसार ये बातें गलत हैं। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट को सैन्य रूप से बंद नहीं

किया गया है, बल्कि यह सिर्फ ईरान के नियंत्रण में है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी इसी बात को दोहराया। उन्होंने अमेरिकी मीडिया से कहा कि यह समुद्री रास्ता अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खुला है, लेकिन अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के जहाजों के लिए नहीं।

अराघची ने कहा, 'हॉर्मुज स्ट्रेट खुला है। यह केवल हमारे दुश्मनों के जहाजों और टैंकरों के लिए बंद है, उन देशों के लिए जो हम पर हमला कर रहे हैं और उनके सहयोगियों के लिए। बाकी सभी जहाज यहां से गुजर सकते हैं।' होर्मुज स्ट्रेट एक बहुत महत्वपूर्ण रणनीतिक समुद्री मार्ग है। दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले संदेश में कहा है कि ईरान इस स्ट्रेट पर अपना प्रभाव बनाए रखेगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उन देशों से अपील की है जो इस रास्ते से तेल मंगाते हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों को इस समुद्री मार्ग को खुला रखने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए और अमेरिका उनकी मदद करेगा।

अमेरिका इस समय तेल की बढ़ती कीमतों को कम करने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद ईरान ने भी पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने 20 मार्च तक वीजा सेवाएं निलंबित कीं

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने घोषणा की कि वीजा सेवाओं का निलंबन 20 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। साथ ही कराची और लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों की सभी कांसुलर सेवाएं भी फिलहाल स्थगित रहेंगी। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को नियमित और आपातकालीन सेवाएं देता रहेगा। हालांकि 20 मार्च तक सभी इमिग्रेंट और नॉन-इमिग्रेंट वीज़ा अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए हैं। प्रभावित आवेदकों को नई तारीख तय करने के लिए ईमेल के जरिए निर्देश भेजे जाएंगे। दूतावास ने यह भी बताया कि आवेदक अपनी अपॉइंटमेंट की स्थिति संबंधित वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। इसके अलावा, कराची और लाहौर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में सभी कांसुलर सेवाएं अभी भी निलंबित हैं।

गौरतलब है कि 3 मार्च को अमेरिका ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए लाहौर और कराची स्थित अपने वाणिज्य दूतावासों में तैनात गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया था।

अमेरिकी दूतावास ने बयान में कहा कि 3 मार्च 2026 को अमेरिकी विदेश विभाग ने सुरक्षा जोखिमों के कारण लाहौर और कराची स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों से गैर-आपातकालीन कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। हालांकि, इस्लामाबाद स्थित दूतावास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दरअसल, 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में व्यापक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में झड़पों के दौरान कम से कम 23 प्रदर्शनकारियों की मौत हुई। इनमें कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर 10, पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कर्दू में 11 और इस्लामाबाद में दो लोगों की मौत हुई। स्कर्दू में भीड़ ने संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यालय में आग भी लगा दी थी।

ईरान ने मिडिल ईस्ट देशों से अमेरिकी सेना हटाने की अपील की

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रों से अमेरिका की सेना को हटाने पर विचार करें। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में विदेशी सैन्य मौजूदगी क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा रही है। अराघची ने कहा कि पूरे क्षेत्र में लगातार जवाबी हमले और सैन्य गतिविधियां जारी हैं, जिससे हालात और अधिक अस्थिर हो गए हैं। उनके अनुसार, ऐसी स्थिति में बाहरी ताकतों की सैन्य मौजूदगी शांति स्थापित करने के बजाय संकट को और गहरा कर सकती है। ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका लंबे समय से खाड़ी देशों को सुरक्षा देने का दावा करता रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह सुरक्षा ढांचा कमजोर साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी सुरक्षा नीति क्षेत्र में स्थिरता लाने में प्रभावी नहीं रही है।

अराघची ने यह दावा भी किया कि अमेरिका अब महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों, खासकर चीन से सहयोग की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दिखाती है कि क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। ईरान ने अपने पड़ोसी देशों से अपील करते हुए कहा कि वे विदेशी सैन्य ताकतों को अपने क्षेत्रों से हटाने के बारे में गंभीरता से विचार करें, ताकि क्षेत्र में स्थिरता और शांति कायम की जा सके।

लेबनान पहुंचे संयुक्त राष्ट्र महासचिव, बोले- 'लड़ाई और बमबारी रोकें, सैन्य समाधान संभव नहीं '

एजेंसी

बेरूत। पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा और मानवीय संकट के बीच एंटोनियो गुटेरेस लेबनान की राजधानी बेरूत पहुंचे हैं, जहां उन्होंने संघर्षरत पक्षों से तुरंत लड़ाई और बमबारी रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है और स्थिति को संभालने के लिए कूटनीति और संवाद ही एकमात्र रास्ता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि लेबनान इस समय गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है कि जब देश में मुसलमान रमजान का पवित्र महीना मना रहे हैं और ईसाई समुदाय लेंट का पालन कर रहा है, उसी समय हिंसा और हमलों ने इस शांति के समय को भी प्रभावित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में भारी तबाही देखी गई है। उनके अनुसार हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल और कब्जे वाले सीरियाई गोलान क्षेत्र की ओर रॉकेट और ड्रोन हमले किए, जिसके बाद इजराइल की ओर से भी तीव्र हवाई हमले किए गए और कई

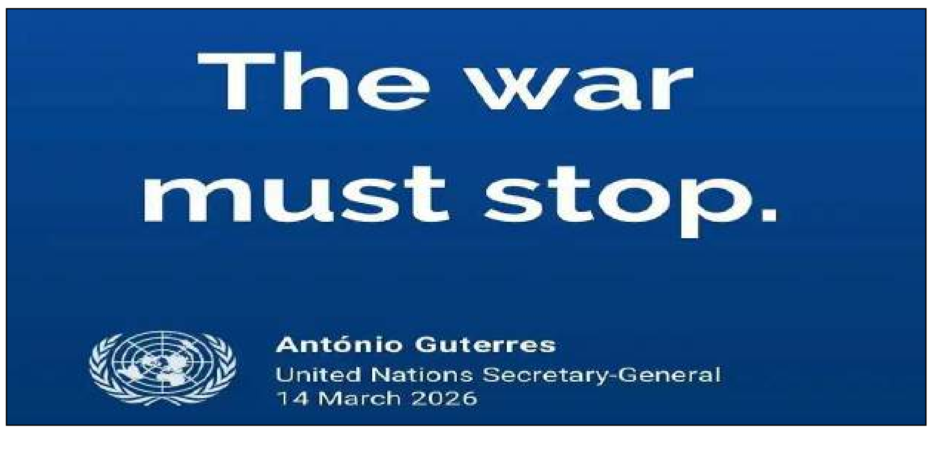

इलाकों को खाली करने के आदेश जारी किए गए। गुटेरेस ने कहा कि इन घटनाओं के कारण बड़ी संख्या में इजराइली नागरिकों को बंकरों और सुरक्षित ठिकानों में शरण लेनी पड़ी है, जबकि लेबनान में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि लाखों नागरिक अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं और हजारों लोग केवल उतना ही सामान लेकर भाग रहे हैं जितना वे अपने साथ उठा सकते हैं।संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि उन्होंने दिन में एक शरणस्थल का दौरा किया, जहां विस्थापित लोगों की पीड़ा देखकर वे बेहद दुखी हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संघर्ष जल्द नहीं रुका तो दक्षिणी बेरूत पूरी तरह तबाह होने के खतरे का सामना कर सकता है। गुटेरेस ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के पूर्ण पालन की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए तत्काल संवाद और कूटनीतिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने दोहराया कि हिंसा का दायरा बढ़ने से पूरे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा सकता है।

page 1 and 8 mar 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/15/2026 10:58 PM Page 2

विभिन्न स्तरों पर जल संरक्षण

आप पहले से ही जान चुके हैं कि जल सभी जीवित प्राणियों के अस्तित्व के लिये कितना महत्त्वपूर्ण है। आपने यह भी जानकारी प्राप्त कर ली होगी कि प्रयोग करने योग्य पानी की कमी होती जा रही है। अब आप पानी के संरक्षण के कुछ महत्त्वपूर्ण उपाय, प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय तथा जल संरक्षण में सरकार का योगदान की भूमिका के बारे में जान जायेंगे।

1 जल संरक्षण के विभिन्न तरीके (उपाय)

1.1 संरक्षण एवं प्रबंधन

भारत एक विकासशील देश है, जिसका क्षेत्र विशाल है, जटिल स्थलाकृति है, परिवर्तनशील जलवायु है और एक बड़ी आबादी है। देश में अवक्षेपण तथा प्रवाह न केवल असमान रूप से वितरित है परन्तु वर्ष के दौरान में भी पानी के वितरण के समय भी असमान है। जल्दी-जल्दी आने वाली बाढ़, सूखा तथा अस्थिर कृषि उत्पादन हमेशा से एक गंभीर समस्या रही है। भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.) के अनुसार भारत में वर्षा के केवल चालीस दिन होते हैं और फिर लंबी अवधि के लिये शुष्क मौसम होता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है, इसका आर्थिक विकास कृषि से जुड़ा हुआ है। कृषि के लिये मुख्य सीमित कारण जल है। बढ़ती हुई जनसंख्या और परिणामस्वरूप खाद्य-उत्पादन में वृद्धि, कृषि क्षेत्र और सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि के कारण जल का अधिक उपयोग हो रहा है। जल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण, देश के कई भागों में पानी की कमी हो रही है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारत के आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिये जल संरक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण है।

संरक्षण तकनीक

भारत में जल का प्राथमिक (मुख्य) स्रोत है दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी मानसून। तथापि मानसून अनिश्चित होती है और जैसा कि आपने अध्ययन किया है, वर्षा की अवधि और मात्रा हमारे देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग पायी जाती है। इसलिये सतह पर प्रवाह के संरक्षण की आवश्यकता है। सतही जल के संरक्षण की तकनीकें हैं

(क) भंडारण द्वारा सतह के पानी का संरक्षण विभिन्न जलाशयों का निर्माण करके उनमें जल संग्रह करना जल संरक्षण का सबसे पुराना उपाय है। भंडारण की संभावना एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पानी की उपलब्धता और स्थलाकृतिक दशाओं पर निर्भर करती है। इस भंडारण के लिये वातावरण के अनुकूल नीति विकसित करने के लिये पर्यावरणीय प्रभाव के जाँच की आवश्यकता है।

(ख) वर्षाजल का संरक्षण

प्राचीन काल से हमारे देश के विभिन्न भागों में वर्षाजल संरक्षण करके कृषि के लिये प्रयोग में लाया जाता रहा है। यदि एक बड़े क्षेत्र में विरल वर्षा संग्रहित की जाये तो उससे काफी मात्रा में जल प्राप्त हो सकता है। समोच्च खेती एक उदाहरण है ऐसी उपज- तकनीक का जिसमें बहुत साधारण स्तर पर पानी और नमी का नियंत्रण किया जा सकता है। प्राय: इसमें समोच्च के कटाव के साथ रखी चट्टानों की कतारें शामिल हैं। इन बाधाओं द्वारा रोका गया जल प्रवाह भी मिट्टी को रोकने में सहायता करता है जिससे कि कोमल ढलानों के लिये कटाव नियंत्रण का तरीका बन जाता है। जिन क्षेत्रों मे बहुत अधिक तेजी से वर्षा होती है तथा जो बहुत बड़े क्षेत्रों में फैली होती है- जैसे हिमालय क्षेत्र, उत्तर पूर्वी राज्यों अंडमान तथा निकोबार द्वीप-उनमें यह तकनीक विशेष रूप से उपयुक्त होती है।

जिन क्षेत्रों में वर्षा थोड़ी कम अवधि के लिये होती है, ये तकनीकें प्रयास के योग्य हैं क्योंकि सतही प्रवाह को फिर भंडारित किया जा सकता है।

इस प्रकार, पानी को इन क्षेत्रों से दूसरे जगह ले जाने वहाँ पानी अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध है, वहाँ से कम जल क्षेत्रों में ले जाने के लिये गंगा कावेरी लिंक के माध्यम से जल की बहुत बड़ी मात्रा गंगा बेसिन से भेजने का काम करते हैं जो अंत में पश्चिमी एवं दक्षिण-पश्चिमी भारत के समुद्र में गिरती हैं। गंगा जल की अधिक मात्रा का परिवहन नियमित रूप से पानी की कमी को दूर करने के लिये सोन, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों में भेज दिया जाता है। राष्ट्रीय ग्रिड कमीशन पटना के निकट भयंकर बाढ़ की अवधि के दौरान गंगा के अधिकतम बहाव का रास्ता बदल देने का काम करता है।

ड्रिप छिड़काव सिंचाई का अपनाना

सतही सिंचाई पद्धतियाँ, जिनका प्रयोग परंपरागत रूप से हमारे देश में किया जाता है, वे कम पानी वाले क्षेत्रों के लिये सर्वदा से अनुपयुक्त हैं क्योंकि जल की एक बड़ी भारी मात्रा वाष्पीकरण और रिसाव के कारण नष्ट हो जाती है। ड्रिप सिंचाई , सिंचाई का एक उपयुक्त तरीका है। संयंत्र के पास एक सीमित क्षेत्र में ड्रिप जल से सिंचाई होती है। यह किसी भी क्षेत्र के लिये उपयुक्त तरीका हो सकता है- विशेष रूप से पानी के लिये दुर्लभ क्षेत्रों में। यह पद्धति विशेष रूप से पंक्तिबद्ध फसल के लिये उपयोगी है। इसी प्रकार की छिड़काव पद्धति भी कम पानी वाले क्षेत्रों के लिये उपयोगी है। इस पद्धति से लगभग 80 त्न पानी की खपत कम की जा सकती है। बल्कि छिड़काव सिंचाई पद्धति 50% से 70 % पानी की खपत कम कर सकती है।

फसल उगाने के तरीकों का प्रबंधन

जल की कमी वाले क्षेत्रों में, फसल का चयन पानी की उपयोग दक्षता पर आधारित होना चाहिए। कम जल-क्षेत्रों के लिये जो पौधे उपयुक्त है वे (i) विकास के लिये कम अवधि वाले पौधे (ii) बहुत उपज प्रदान करने वाले पौधे जिनको पानी की आपूर्ति में वृद्धि की कोई आवश्यकता नहीं। (iii) बहुत गहरी और अंदर तक फैली जड़ों वाले पौधे (iv) वे पौधे जो सतह सिंचाई नहीं सहन कर सकते हैं।

फसल की किस्मों का चयन

फसल का प्रदर्शन तथा उपज जीनोटाइप अभिव्यक्ति करके पर्यावरण के साथ लगातार पारस्परिक क्रिया करने के परिणाम होता है। प्राय: फसल की नयी किस्मों को पुरानी किस्मों से अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती हैं। यद्यपि इनको ठीक समय पर पानी की आपूर्ति की आवश्यकता है क्योंकि इनकी उत्पादकता अधिक है। उच्च पैदावार प्राप्त करने के लिये बड़े अंतराल पर भारी प्रवाहकीय सिंचाई की तुलना में निरंतर दी जाने वाली हल्की सिंचाई अधिक लाभदायक है।

पोषाहार प्रबंधन

पोटेशियम, तनाव परिस्थितियों में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। यह परासरणीय नियंत्रण द्वारा ऊतकीय जल के उपयोग की क्षमता में सुधार लाता है अत: पानी के उपयोग की क्षमता बढ़ती है। जल प्रौद्योगिकी केन्द्र, कोयम्बटूर में आयोजित प्रयोग ने संकेत किया है कि 0.5 प्रतिशत पोटेशियम क्लोराइड के फॉलियर विशिष्टता सोयाबीन, चारा (सोरघम) और मूंगफली में नमी के तनाव को कम कर सकते हैं।

प्रतिवाष्पोत्सर्जकों का प्रयोग

प्रतिवाष्पोत्सर्जकों का प्रयोग वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया को कम कर देता है जिससे कि ऊतक जल-क्षमता (स्थैतिकी) बनी रहती है। जब पौधे भूमि से कम पानी लेते हैं, प्रतिवाष्पोत्सर्जक भूमिगत जल की कमी को धीरे करके सिंचाई के अंतराल को लम्बा कर सकते हैं। कायोलीन (3 %) और लाइम वाश (2 %) पौधों का जल संतुलन बनाये रखता है। परिणामस्वरूप नमी से संबंधित तनाव की स्थिति के बावजूद भी चारे की सामान्य उपज हो जाती है। कुछ वृद्धि नियामकों द्वारा भी पौधों का जल तनाव के प्रति संवेदनशीलता कम हो जाती है। साइसोइयोल का प्रयोग जिबरेलिक (Gibberellic) अम्ल का उत्पादन कर कर देता है जो रंध्रों को बंद करता है। जल के वाष्पोत्सर्जन का नुकसान कम हो जाता है।

उद्वाष्पन-वाष्पोत्सर्जन कम करना

उद्वाष्पोत्सर्जन की कमी, पौधों की सतह से वाष्पोत्सर्जन एवं मिट्टी से उद्वाष्पन को कम करके कम से कम किया जा सकता है। शुष्क क्षेत्रों में, भूमि की सतह से उद्वाष्पन में काफी मात्रा में पानी उड़ जाता है। यह सब पानी को नमी अवरोध लगाकर अथवा धरती की सतह पर जलरोधी मुल्च रखने से रोका जा सकता है। कागज, एस्फाल्ट, प्लास्टिक, या धातु जैसी अछिद्रित सामग्रियाँ भी वाष्पीकरण हानि को रोक सकती हैं। वाष्पोत्सर्जन घाटे को कम किया जा सकता है- फसलों के ऊपर हवा की गति को कम करने से, वायु रोधक लगाने से तथा ऐसी फसलों को उगाने से जो मरुद्धि अनुकूलन के योग्य हैं।

विभिन्न जल निकायों से उद्वाष्पन को कम करना

हमारे देश के बहुत से क्षेत्रों में उद्वाष्पन के द्वारा जल की काफी बड़ी मात्रा की क्षति हो जाती है। ऐसे अनुमान हैं कि 10000 हेक्टेयर भूमि से लगभग प्रतिवर्ष 160 mm3 जल की क्षति होती है। संग्रह टैंकों, जलाशयों, सिंचाई टैंकों, नदियों एवं नहरों से उद्वाष्पन द्वारा होने वाली जल की क्षति को कम करके उस पानी का उपयोग अन्य कामों में किया जा सकता है। ऐसी विधियाँ जिनसे जल निकायों से उद्वाष्पन कम किया जा सकता है- वायु रोधकों को लगाना, उद्वाष्पन के लिये उपलब्ध ऊर्जा को कम करके, कृत्रिम जलभृतों का निर्माण करके, जलाशय नियंत्रक द्वारा सतह को कम उद्वाषित करके, क्षेत्र का जल निकायों का अनुपात कम करके, उच्च ढालों पर जलाशय का निर्माण करके एवं एकल आण्विक फर्म का प्रयोग करके।

पानी का पुनर्चक्रण

औद्योगिक अथवा घरेलू स्रोतों से निकले अपशिष्ट जल को उचित उपचार के पश्चात सिंचाई, भूमिगत जल पुनर्भरण, और औद्योगिक या नगर निगम के इस्तेमाल के लिये प्रयोग में लाया जा सकता है। यदि कृषि भूमि शहरों के पास उपलब्ध होती है तो नगर निगम के अपशिष्ट जल को सिंचाई के काम में लाया जा सकता है।

घरेलू उपयोग में पानी का संरक्षण

घरेलू स्तर पर जल के संरक्षण की काफी संभावना है। जल और उसकी उपलब्धता के महत्त्व के बारे में लोगों में एक जागरूकता तथा जल संरक्षण काफी सीमा तक क्षति को न्यूनतम करने में सहायता कर सकते हैं। पानी की आपूर्ति के दौरान जो घाटा रिसाव (टपकन) से होता है, उसे कम करने की आवश्यकता है। घर में पानी के प्रयोग के स्तर की दक्षता में सुधार के लिये कुछ उपाय ये हैं

1. पाइप से रिसाव में कम बर्बादी करने के अर्थ हैं कि बहुत सारा पानी लोगों तक पहुँचता ही नहीं है। दिल्ली शहर में अनुमानित घाटा 35-40% है।
2. प्रयोग न करते समय नलकों को बंद करना।
3. बेहतर सिंचाई तकनीकें- सिंचाई प्रणाली में प्रयोग किये जाने वाले जल का 70% पानी बर्बाद हो जाता है। ड्रिप सिंचाई में पानी का नुकसान सार्थक रूप से कम होता है।
4. हर बार शौचालय को फ्लश करने के लिये कम पानी वाले कम फ्लश वाले शौचालयों का प्रयोग करें।
5. लैटरीन तथा कॉम्पैक्ट शौचालय छोटे बनायें जो मानव-अपशिष्टों को स्वच्छ, उपयोगी खाद में बदल सकें- यह उपाय शौचालयों को सीवेज लाइन से जोड़ने के मुकाबले में बहुत सस्ता होता है।

भूमिगत संरक्षण

भूमिगत जल की विशेषताएँ

1. सतह जल की तुलना में अधिक भूमिगत जल है।
2. भूमिगत जल कम खर्चीला है तथा आर्थिक संसाधन है एवं लगभग प्रत्येक स्थान पर उपलब्ध हैं।
3. भूमिगत जल, पानी की आपूर्ति के लिये, अधिक टिकाऊ संपोषणीय तथा विश्वसनीय स्रोत है।
4. भूमिगत जल प्रदूषण के प्रति अपेक्षाकृत कम संवेदनशील है।
5. भूमिगत जल रोगजनक जीवों से मुक्त है।
6. भूमिगत जल का प्रयोग करने से पहले थोड़े से उपचार की आवश्यकता होती है।
7. भूमिगत आधारित पानी आपूर्ति में वाहनों का कोई नुकसान नहीं है।
8. भूमिगत जल को सूखे से कम खतरा है।
9. भूमिगत जल शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों के लिये जीवन की कुंजी होता है।
10. भूमिगत जल सूखे मौसम में नदियों और धाराओं के प्रवाह का स्रोत है।

भारत में कुल 4000BCM (अरब घन मीटर) प्रवाह के लगभग 45 लाख हेक्टेयर मीटर भूमिगत जल प्रवाह के रूप में रिस जाता है। सम्पूर्ण भूमिगत जल संसाधनों का दोहन संभव नहीं हो सकता। भूमिगत क्षमता केवल 490BCM (अरब घन मीटर) है। जैसे कि हमें सीमित जल उपलब्ध है, यह अत्यंत आवश्यक है कि हम इसका प्रयोग बहुत मितव्ययता तथा विवेकपूर्ण ढंग से करें और अधिकतम संरक्षण करें। नीचे भूमिगत जल प्रबंधन और जल संरक्षण की कुछ तकनीकें वर्णित हैं-

कृत्रिम पुनर्भरण

जिन क्षेत्रों में पानी दुर्लभ (कमी) है, वहाँ भूमिगत जल पर निर्भरता बढ़ रही है। कम और अनिश्चित वर्षा के कारण, जल तालिका में जल्दी गिरावट आती है। कृत्रित उपायों से भूमिगत जल को भरना ही एकमात्र विकल्प है। जैसा कि आपने पिछले पाठ में पढ़ा है कि भूमिगत जल का कृत्रिम रूप से प्रबंधन और विकसित करने की कई तकनीकें हैं। इनमें से एक उपाय है जिसमें पानी फैले हुए क्षेत्र में और अधिक समय के लिये मिट्टी के संपर्क में रहता है जिससे कि पानी को मैदान में प्रवेश करने का अधिकतम अवसर मिल सके।

टपकन टैंक विधि

टपकन टैंक कृत्रिम पुनर्भरण के लिये जल कोर्स बनाये जाते हैं। महाराष्ट्र में किया गया अध्ययन दर्शाता है कि औसतन 1.2 किमी2 की टपकन से प्रभावित क्षेत्र में औसतन भूमिगत जल वृद्धि 2.5 मीटर तथा भूमिगत के प्रत्येक टैंक से वार्षिक कृत्रिम पुनर्भरण 1.5 हेक्टे. मी. थी।

(घ) जलग्रहण क्षेत्र संरक्षण, कैप

जलग्रहण सुरक्षा योजना को सामान्यतया जल संरक्षण की योजना या प्रबंधन कहा जाता है। ये जलागम (वाटरशेड) जल संरक्षण और जल की गुणवत्ता की रक्षा करने के महत्त्वपूर्ण उपाय हैं। पहाड़ी क्षेत्रों की नदियों के ऊपर चेक-बाँध का निर्माण अस्थायी रूप से जल के प्रवाह की मदद करता है ताकि जल को भूमि में रिसने के लिये अधिक से अधिक समय मिल जाये। ये उपाय उत्तर-पूर्वी राज्यों और पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी बेल्ट में उपयोग में लाये जाते हैं।

यह तकनीक मृदा संरक्षण में भी सहायता करती है। जलग्रहण क्षेत्र में वनरोपण भी मृदा संरक्षण के लिये काम में लिया जाता है।

(घ) जल का अंत: बेसिन स्थानान्तरण

जल का विस्तृत विश्लेषण एवं भूमि संसाधन एवं हमारे देश के विभिन्न नदी बेसिनों की संख्या की सांख्यिकी इस बात का खुलासा करती है ऐसे क्षेत्र जो पश्चिमी एवं पठारी क्षेत्रों, जिनमें कम जल संसाधन उपजाऊ भूमि का अनुपात तुलनात्मक रूप से कम हैं। उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्रों में गंगा एवं ब्रह्मपुत्र द्वारा जल प्रवाह से इन क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में जल संसाधन उपलब्ध हैं।

करेले की उन्नत खेती

हमारे देश में करेला की खेती काफी समय से होती आ रही है । इसका ग्रीष्मकालीन सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान है । पौष्टिकता एवं अपने औषधीय गुणों के कारण यह काफी लोकप्रिय है। आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के अनुसार मधुमेह के रोगियों के लिये करेला की सब्जी का सेवन लाभदायक रहता है । इसके फलों से सब्जी बनाई जाती है । इसके छोटे-छोटे टुकड़े करके धूप में सुखाकर रख लिया जाता हैं, जिनका बाद में बेमौसम की सब्जी के रूप में भी उपयोग किया जाता है ।

▸▸ करेला की खेती के लिये जलवायु

करेला की खेती के लिए गर्म एवं आर्द्र जलवायु की जरूरत पड़ती है । करेला के पौधों की खासियत है कि यह अन्य कद्दू वर्गीय फसलों की अपेक्षा अधिक शीत सहन कर सकता है, पर अधिक वर्षा से फसल की उपज घट जाती है । करेला की खेती के लिए उत्तर एवं मध्य भारत की जलवायु अधिक अनुकूल मानी गयी है ।

▸▸ खेत की तैयारी कैसे करे

करेला की खेती के लिए ऐसी भूमि का चयन करना चाहिए, जिनमें अम्ल एवं नमक का प्रतिशत सामान्य से अधिक न हो अर्थात भूमि का पी.एच. 6.5 से 8.00 के मध्य तथा मृदा में जीवांश का प्रतिशत अधिक से अधिक होना चाहिए, ताकि पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध हो सकें ।

करेले की खेती के लिए खेत की तैयारी करते समय 200 लीटर बायोगैस स्लरी अथवा 2000 लीटर संजीवक खाद खेत में डालकर 4-5 दिन पश्चात मिट्टी पलट हल से जुताई करें । इसके उपरान्त एक सप्ताह तक खेत को खुला छोड़ देते हैं । तत्पश्चात तीन से चार बार देशी हल से जुताई कर मेंडा (पटेला) लगाकर खेत को समतल करें, तत्पश्चात तीन-तीन फीट के अन्तराल पर 1 फीट गहरा तथा 2 फीट चौड़ा थावला बनाकर प्रत्येक थावले में 500 ग्राम वर्मी कम्पोस्ट तथा 50 ग्राम कॉपर सल्फेट पाउडर एवं 200 ग्राम राख मिलाकर थावले को मिट्टी से ढ़क देते हैं तथा खेत की सिंचाई कर लें । सिंचाई के 5-6 दिन पश्चात करेला बीजों की बुवाई

थावले में कर दें । बुवाई करते समय प्रत्येक थावले में 4 से 5 बीज पौध हेतु डालें ।

▸▸ करेले के किस्में

1. कोयम्बटूर लौग- यह दक्षिण भारत की किस्म है, इस किस्म के पौधे अधिक फैलाव लिए होते है । इसमें फल अधिक संख्या में लगते हैं तथा फल का औसत वजन 0 ग्राम होता है । इसकी उपज 40 क्विंटल प्रति एकड़ तक आती है ।

2. कल्याणपुर बारहमासी इस किस्म का विकास चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविध्यालय द्वारा किया गया है इस किस्म के फल आकर्षक एंव गहरे हरे रंग के होते हैं । इसे गर्मी एवं वर्षा दोनों ऋतुओं में उगाया जा सकता है, अर्थात् ये किस्म वर्ष भर उत्पादन दे सकती है । इसकी उपज 60-65 क्विंटल प्रति एकड़ तक आती है ।

3. हिसार सेलेक्शन- इस किस्म को पंजाब, हरियाणा में काफी लोकप्रियता हासिल है वहां की जलवायु में इसकी उपज 40 क्विंटल प्रति एकड़ तक प्राप्त होती है

4. अर्का हरित- इसमें फलों के अन्दर बीज बहुत कम होते हैं । यह किस्म गर्मी एवं वर्षा दोनों ऋतुओं में अच्छा उत्पादन देती है । पतंजलि विषमुक्त कृषि विभाग ने अपने शोध प्रयोगों में पाया कि इसकी प्रत्येक बेल से 34 से 42 फल प्राप्त होते हैं ।

5. पूसा विशेष: यह किस्म बीज बुवाई के 55 दिन बाद फल देना प्रारम्भ कर देती है । इस किस्म के फल मध्यम, लम्बे, मोटे व हरे रंग के होते हैं । इसका गूदा मोटा होता है । फल का औसत भार 100 ग्राम तक होता है । पतंजलि विषमुक्त कृषि विभाग इस किस्म को फरवरी से जून माह के बीच उठाने की सलाह देता है ।

▸▸ खेत की सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई

करेला की फसल में सिंचाई काफी महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है, अत: समय-समय पर सिंचाई अवश्य करते रहना चाहिए । चूंकि करेल की फसल ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु में उगाई जाती है, जिस वजह से खरपतवार अधिक संख्या में उग जाते हैं ।

अत इनको समय-समय पर खेत से निकालना बहुत जरुरी है । इसी प्रकार खेत का नियमित अन्तराल पर निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए, ताकि फसल पर फल-फूल अधिक से अधिक संख्या में आये

▸▸ करेले की खेती के किये कुदरती खाद बनाये

बीज बुवाई के 3 सप्ताह पश्चात जब करेला के पौधे में 3-4 पत्ते निकलना प्रारम्भ हो जायें, उस समय 2000 लीटर बायोगैस स्लरी अथवा 2000 लीटर संजीवक खाद अथवा 40 किलो गोबर से निर्मित जीवामृत खाद प्रति एकड़ की दर से फसल को दें । दूसरी बार जब पौधों पर फूल निकलने प्रारम्भ हो जायें, उस समय पुन: उपरोक्त कुदरती खाद फसल को देनी चाहिए । इसी प्रकार जब करेला फसल की प्रथम तुड़ाई प्रारम्भ हो, उस समय 200 किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट में 50 किलोग्राम राख मिलाकर फसल पर छिडकाव कर देना चाहिए, ताकि फसल की उपज अधिक से अधिक मिल सके

▸▸ करेला फसल की सुरक्षा कैसे करे

करेला की फसल में कीटों का प्रकोप अपेक्षाकृत कम होता है, किन्तु अधिक स्वस्थ फसल हेतु नियमित अन्तराल पर कुदरती कीट रक्षक का छिड़काव करते रहना चाहिए, ताकि फसल उपज ज्यादा एंव उत्तम गुणवत्ता के साथ प्राप्त हो सके

1. रैड बीटल- यह एक हानिकारक कीट है, जोकि करेला के पौधे पर प्रारम्भिक अवस्था पर आक्रमण करता है यह कीट पत्तियों का भक्षण कर पौधे की बढ़वार को रोक देता है इसकी सूंडी काफी खतरनाक होती है, जोकि करेला पौधे की जड़ों को काटकर फसल को नष्ट कर देती है

▸▸ रैड बीटल से करेला की फसल कीरोकथाम

रैड बीटल से करेला की फसल सुरक्षा हेतु पतंजलि निम्बादी कीट रक्षक का प्रयोग अत्यन्त प्रभावकारी है 5 लीटर कीटरक्षक को 40 लीटर पानी में मिलाकर, सप्ताह में दो बार छिड़काव करने से रैड बीटल से फसल को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है

2. पाउडरी मिल्ड्यू रोग- यह रोग करेला पर एरीसाइफी सिकोरेसिएटम की वजह से होता है इस कवक की वजह से करेला की बेल एंव पत्तियों पर सफ़ेद गोलाकार जाल फैल जाते हैं, जो बाद में कत्थई रंग के हो जाते हैं इस रोग में पत्तियां पीली होकर सूख जाती हैं इस रोग से करेला की फसल को सुरक्षित रखने के लिए 5 लीटर खट्टी छाछ में 2 लीटर गौमूत्र तथा 40 लीटर पानी मिलाकर, इस गोल का छिड़काव करते रहना चाहिए प्रति सप्ताह एक छिड़काव के हिसाब से लगातार तीन सप्ताह तक छिड़काव करने से करेला की फसल पूरी तरह सुरक्षित रहती है